कोटद्वार, शनिवार
25 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 7 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979 — संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बिहार में सम्राट सरकार ने साबित किया बहुमत

● अब कैबिनेट विस्तार की टकटकी, बंगाल चुनाव के बाद विस्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने विधानसभा में अपना बहुमत साबित कर दिया। विधानसभा में ध्वनि मत से विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। विश्वास मत पर बहस के बाद सदन में सत्ता पक्ष के पक्ष में बहुमत रहा, जबकि विपक्ष संख्या

बल के मामले में काफी पीछे रह गया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने प्रस्ताव के पास होने की घोषणा कर दी। इसके साथ कैबिनेट मंत्री बनने के ख्वाहिशमंदों को 29 अप्रैल का इंतजार है, जब बंगाल चुनाव का आखिरी दिन होगा। बिहार विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से पहले से ही वोटिंग की संभावना कम थी। 243 सदस्यों वाली विधानसभा में सरकार को अपना बहुमत साबित करने के लिए 122 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन एनडीए ने अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए 201 विधायकों के समर्थन का दावा पेश किया।

सम्राट सरकार को सदन में भारी बहुमत

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नए मुख्यमंत्री को राज्य सरकार को वैध ठहराने के लिए विधानसभा में बहुमत साबित करना होता है। नवंबर 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, एनडीए ने 202 विधायकों के साथ बहुमत हासिल किया, जिससे विश्वास मत से पहले सरकार मजबूत स्थिति में आ गई।

रिश्वत प्रकरण में डोईवाला के प्रभारी बीईओ निलंबित

देहरादून। रिश्वत लेने के आरोप में डोईवाला के प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी धनबीर सिंह को निलंबित कर दिया गया है। विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये तत्काल प्रभाव से प्रभारी बीईओ के निलम्बन प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है, शीघ्र ही शासन स्तर से निलम्बन आदेश जारी कर दिये जायेंगे। डॉ. रावत ने कहा कि विभाग में भ्रष्टाचार व अनुशासनहीनता कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की नीति पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, बावजूद इसके कतिपय कर्मचारी विभाग की छवि को धूमिल करने से बाज नहीं आ रहे हैं, ऐसे कार्मिकों खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। डॉ. रावत ने कहा कि हाल ही में विजिलेंस टीम द्वारा डोईवाला में तैनात प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी धनबीर सिंह को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारी को उत्तराखंड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 के प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग में ऐसे प्रकरणों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करें साथ ही छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं आमजन से फीडबैक लेकर व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाएं। उन्होंने कहा कि विभाग के अंतर्गत किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी

2500 साल बाद अपनों के बीच पहुंचे मणिपुर के यहूदी

आंखों में नजर आया पुनर्मिलन का भाव, बह निकले आंसू

तेल अवीव (एजेंसी)। पूरी दुनिया की नजर इजरायल के ईरान और लेबनान के साथ तनाव पर बनी हुई है। वहीं, इन सबके बीच तेल अवीव हजारों किलोमीटर दूर भारत में एक ऑपरेशन चला रहा है। यह मिशन भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शुरू होता है, जिसका मकसद 5000 लोगों को भारत के मणिपुर से इजरायल भेजना है। इस मिशन का नाम ऑपरेशन विंग्स ऑफ डॉन रखा गया है। यह मिशन भारत में मौजूद बनी मेनाशे समुदाय के सदस्यों को वापस उनकी जड़ों से जोड़ना है, जो हजारों साल पहले अपने पुरखों के घरों से कट गए थे। बनी मेनाशे को बाइबिल में लॉस्ट ट्राइब (खोई हुई जनजाति) में बताया गया है। इजरायली सरकार ने गुरुवार को दिल्ली के रास्ते बनी मेनाशे समुदाय के 250 सदस्यों का पहला जत्था हवाई जहाज से इजरायल भेजा। बीते साल बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने घोषणा की थी कि वह भारत में मौजूद समुदाय के 4600 सदस्यों को इजरायल भेजेगी। पिछले दो दशकों में 5000 लोग पहले ही इजरायल जा चुके हैं।

हर साल 1200 लोग जाएंगे इजरायल

इजरायल की योजना साल 2030 तक समुदाय को सदस्यों को भारत से पूरी तरह ले जाने की इजरायल के इमिग्रेशन मंत्री ओफिर सोफर ने समाचार एजेंसी को बताया कि इस मिशन के तहत हर साल 1200 लोगों को इजरायल भेजा जाएगा। लेकिन इन सबके बीच पहले हम बताते हैं कि बनी मेनाशे कौन हैं और वे इजरायल से भारत के सुदूर उत्तर-पूर्व क्षेत्र में कैसे पहुंच गए। बाइबिल के अनुसार, प्राचीन इजरायल के लोग 12 कबीलों में बंटे हुए थे। इनमें से दस कबीलों के नाम जैकब (याकूब) के बेटों के नाम पर रखे गए थे। दो कबीलों के नाम उनके पोतों एफ्रैम और मेनाशे के नाम पर थे। ये दोनों जोसेफ (यूसुफ) के बेटे थे। बनी मेनाशे समुदाय का दावा है कि वे मेनाशे के ही वंशज हैं। 722 ईसा पूर्व में असीरियाई साम्राज्य ने इजरायल को हरा दिया। इसके बाद मेनाशे समुदाय को अपनी जमीन छोड़कर जाना पड़ा। उस समय के फारस (आज ईरान), अफगानिस्तान, तिब्बत और चीन से होते हुए यह समुदाय के लगभग 10000 सदस्य भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहुंचे, जो मणिपुर और मिजोरम में बस गए। गुरुवार को नए अप्रवासियों का जत्था तेल अवीव के बेन गुरियन एयर पोर्ट पहुंचा तो उसके स्वागत के लिए इजरायल के इमिग्रेशन मंत्री ओफिन सोफर और यहूदी एजेंसी के अध्यक्ष मेजर-जनरल (रि) डोरोन अल्मोग समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सोफर ने समुदाय की इजरायल वापसी को ऐतिहासिक कदम बताया।

बंगाल में अब सिर्फ परिवर्तन की लहर है: पीएम

दमदम और जादवपुर की रैली में बोले नरेन्द्र मोदी

कहा-वेस्ट बंगाल में टीएमसी का दीया बुझने वाला है

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम और जादवपुर में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है। पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी। बंगाल को टीएमसी से आजादी चाहिए। टीएमसी के डर से आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से आजादी, टीएमसी के सिंडिकेट से आजादी, बेटियों पर अत्याचार और बेरोजगारी से आजादी। टीएमसी ने बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था, लेकिन पहले चरण में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है। दूसरे चरण में आपको इस लोकतंत्र के मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है। जब बंगाल की बेटियां न्याय मांगती हैं तो टीएमसी उन्हें घर से बाहर न निकलने की सलाह देती है। टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं सपने देखें।

टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं, बीजेपी सरकार में बलात्कारी सुरक्षित नहीं रहेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जादवपुर में कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ हो गया है कि कई जिलों में टीएमसी अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। दूसरे चरण में आपको टीएमसी की पक्की हार और विकसित बंगाल के संकल्प पर मुहर लगानी है। बीजेपी की जीत, चाहे बड़ी हो या निर्णायक, बंगाल में तेज विकास का नया दौर लेकर आएगी। 29 अप्रैल को आपको यह काम करना है। यह बंगाल के लिए बहुत बड़ा अवसर है, इसलिए एक भी वोट छूटना नहीं चाहिए। टीएमसी सरकार में पाले गए अपराधियों और गुंडों, तथा महिलाओं के खिलाफ बलात्कार जैसी घटनाओं के दोषियों को कानून सख्त सजा देगा और हम यह सुनिश्चित करेंगे। टीएमसी शासन में यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन भाजपा सरकार में कोई भी बलात्कारी या अपराधी सुरक्षित नहीं रहेगा। सबका हिसाब होगा, यह मोदी की गारंटी है।

15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ लूटने का काम किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाधवपुर में कहा कि बंगाल में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में बंपर मतदान हुआ है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसा नहीं देखा जो इस बार बंगाल के लोगों ने कर दिखाया। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को कितना बड़ा समर्थन बंगाल में मिला है। आज बंगाल के छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी तक, सब भयमुक्त होकर भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। हर कोई परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार हैं। पिछले 15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ और सिर्फ लूटने का काम किया है। ऐसा कोई काम नहीं जहां टीएमसी का भ्रष्टाचार नहीं इसलिए बंगाल की जनता कह रही है भर्ती घोटाला चोलबे न (भर्ती घोटाला नहीं चलेगा), चीट फंड घोटाला, कोयला खनन घोटाला, गरीबों के राशन की लूट, तस्करों को छूट, कटमनी, भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।

सभी सांसदों ने बीजेपी में शामिल होने का किया ऐलान

केजरीवाल को झटका एएपी में सबसे बड़ी टूट

राघव चड्ढा समेत सात सांसदों ने पार्टी से कर लिया किनारा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर आप से इस्तीफा देने का एलान किया है। राघव चड्ढा सहित छह और सांसदों ने बीजेपी का हाथ थाम लया है। संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा,हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के हम दो-तिहाई सदस्य भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे पार्टी के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि एएपी के 10 राज्यसभा सांसदों में से सात भाजपा में विलय करने जा रहे हैं। चड्ढा ने कहा, संविधान के अनुसार, किसी भी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं। राघव चड्ढा ने प्रेसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) था। मेरे साथ इस मंच पर विभिन्न क्षेत्रों के लोग थे, जिनमें कुछ वैज्ञानिक और कुछ शिक्षाविद भी थे। आज आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वालों में एक विश्व स्तरीय क्रिकेटर, पद्म श्री पुरस्कार विजेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। इन सभी लोगों ने सब कुछ त्याग दिया और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया।

हम एक ही जहाज के मुसाफिर, डूबेंगे तो साथ डूबेंगे

मुस्लिम समुदाय के चुनिंदा लोगों के साथ बैठक में बोले एनएसए अजीत डोभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय मुस्लिम समुदाय के चुनिंदा लोगों के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय में बीते 18 अप्रैल को एक मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में मुस्लिम समुदाय से आने वाले अलग-अलग क्षेत्रों के लोग शामिल थे। इस बैठक के दौरान एनएसए ने कहा कि भारत में रहने वाले हिंदू और मुसलमान एक ही जहाज के मुसाफिर की तरह हैं। आपको बता दें कि इस बैठक का उद्देश्य पारंपरिक वोट-बैंक की राजनीति से परे हटकर मुस्लिम समुदाय के विकास, शिक्षा और उद्यमिता के भविष्य पर चर्चा करना था। बैठक में उपस्थित मेहमानों को करीब डेढ़ घंटे तक धैर्यपूर्वक सुनने के बाद अजीत डोभाल ने अंग्रेजी और उर्दू के मिश्रण वाली एक प्रभावशाली स्पीच दी। उनके एक वाक्य ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। डोभाल ने कहा, हम (हिंदू और मुसलमान) एक ही जहाज पर सवार हैं। हम या तो साथ तैरेंगे या साथ डूबेंगे! इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रसिद्ध शिक्षाविद् और व्यवसायी जफर सरेशवाला ने किया। उन्होंने सरकार से समान अवसर की मांग करते हुए कहा, हम नया भारत का हिस्सा हैं। अजीत डोभाल की यह पहल दर्शाती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के भीतर हर समुदाय को सशक्त और आत्मविश्वास से भरपूर बनाना भी इसका हिस्सा है। उद्योग जगत से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य तक फैले इस प्रतिनिधिमंडल ने यह संदेश दिया है कि भारतीय मुस्लिम समुदाय अब केवल राजनीतिक मोहरे के रूप में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सक्रिय भागीदार के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

7 महीने की प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि लड़की क्या

● **एससी ने कहा-उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते**

चाहती है। अगर वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-यह महिला की खुद की इच्छा का सवाल है

एससी ने कहा- कोर्ट वहीं करेगा जो महिला के हित में बेहतर होगा

कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी, तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अदालतों को यह देखना चाहिए कि गर्भवती महिला के हित में क्या बेहतर है, खासकर तब जब गर्भ स्पष्ट रूप से अनचाहा हो। अंत में कोर्ट ने नाबालिग का एम्स दिल्ली में सभी जरूरी मेडिकल सावधानियों के साथ अबॉर्शन कराने का निर्देश दिया।

वकील ने बताया- प्रेग्नेंसी से तनाव में नाबालिग

याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कहा गया कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे। उन्होंने नाबालिग को आर्थिक मदद की पेशकश भी की। हालांकि जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कोर्ट महिलाओं को अबॉर्शन के बजाय उनके लिए आर्थिक मदद या गोद लेने जैसे विकल्पों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा, 'किसी महिला, खासकर नाबालिग, को इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है।

● **बंगाल में मतदाता सूची से 65 चुनाव अधिकारियों के नाम कटे, एससी पहुंचा मामला**

चुनाव कराएंगे, मगर वोट नहीं दे पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। चुनाव ड्यूटी पर तैनात 65 अधिकारियों के नाम ही मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे नाराज इन अधिकारियों ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल, चुनाव आयोग के आदेश पर बंगाल में मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया गया था। इस कवायद में पूरे राज्य से 90.8 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हैरानी की बात यह है कि चुनाव संपन्न कराने वाले 65 अधिकारियों के नाम भी इस सूची से गायब हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील एमआर शमशाद ने कोर्ट में कहा,ये 65 अधिकारी चुनाव ड्यूटी पर हैं। इनके ड्यूटी आर्डर पर वोटर आईडी नंबर भी दर्ज हैं, लेकिन अब वो नंबर ही डिलीट कर दिए गए हैं। जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वही वोट नहीं डाल पाएंगे। यह मनमाना फैसला है। कई लोगों को नाम हटाने की वजह तक नहीं बताई गई।

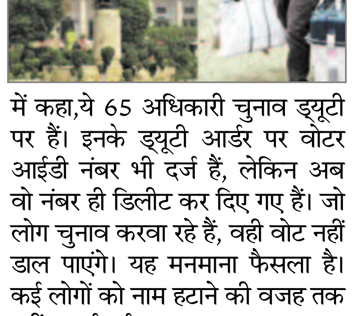

विपक्ष ने नारी शक्ति का अधिकार छिनने का किया काम : धामी

जन आक्रोश पदयात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को परेड ग्राउण्ड, देहरादून में महिला जन आक्रोश रैली में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री हजारों की संख्या में मौजूद महिलाओं के साथ परेड ग्राउंड से घंटाघर तक जन आक्रोश पदयात्रा में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनका अधिकार दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था। परंतु लोकसभा में संख्या बल के कारण बिल पारित नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने षड्यंत्र करके नारी शक्ति का अधिकार छिनने का काम किया है। कहा कि देश की नारी, अन्याय के विरुद्ध अवश्य आवाज उठाएगी, क्योंकि अब नारी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश की आधी आबादी को उसका हक दिलाने के प्रयास को लोकसभा में विपक्ष ने विफल करके देश के साथ महापाप किया है।

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मातृशक्ति को नए भारत के निर्माण का आधार माना है। महिलाओं को सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, उज्ज्वला योजना, एवं जन धन योजना द्वारा करोड़ों बहनों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा, स्टार्टअप योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को सशक्त बनाने, लखपति दीदी योजना द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर महिलाओं को आगे बढ़ने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं आगे आ रही हैं। आदिवासी समाज की बेटी, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंची हैं। केंद्रिय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया गया है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक सविता कपूर, श्रीमती आशा नौटियाल, रेनू बिष्ट, रुचि भट्ट, दीप्ति रावत, नेहा जोशी, हिमानी, रश्मि रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद थी।

सरकार मातृशक्ति के कल्याण के लिए कर रही काम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य में महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू किया गया है। इसके साथ राज्य में ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना और मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है।

पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतक आश्रितों को मिलेगें दो-दो लाख

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : टिहरी गढ़वाल जनपद में हुई वाहन दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की गई है।

राज्य सरकार द्वारा भी उत्तराखंड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि नियमावली के तहत मृतक आश्रितों को 2-2 लाख रुपये सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भी मृतक आश्रितों को 3-3 लाख रुपये और गंभीर घायलों को 50-50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों से लगातार संपर्क बनाए रखने और उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में बिना सर्जरी घुटने के दर्द का सफल उपचार

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में बिना सर्जरी घुटने के दर्द का सफल उपचार किया गया। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में पहली बार कूल्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आरएफए) तकनीक के माध्यम से घुटनों के गंभीर दर्द का सफल उपचार किया गया। 64 वर्षीय सावित्री देवी लंबे समय से घुटने की ग्रेड–4 ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित थीं और अत्यधिक दर्द के कारण चलने–फिरने में असमर्थ हो गई थीं। उन्हें दवाइयों और पारंपरिक उपचारों से कोई लाभ नहीं मिल रहा था। ऐसे में डॉक्टरों ने बिना ऑपरेशन के विकल्प के रूप में कूल्ड आरएफए प्रक्रिया अपनाई, जिसमें विशेष सुई के जरिए घुटनों की दर्द उत्पन्न करने वाली जेनिक्यूलर नसों को नियंत्रित किया जाता है। इससे दर्द के संकेत दिमाग तक कम पहुंचते हैं और मरीज को लंबे समय तक राहत मिलती है।प्रक्रिया के बाद सावित्री देवी को दर्द से काफी राहत मिली और अब वे पहले की तुलना में बेहतर तरीके से चल–फिर पा रही हैं। इस तकनीक की खासियत यह है कि इसमें न तो सर्जरी की जरूरत होती है और न ही कोई बड़ा चीरा लगाया जाता है। साथ ही मरीज को उसी दिन अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। कम खर्च, सीजीएचएस कैशलेस सुविधा और जल्दी रिकवरी के कारण यह प्रक्रिया बुजुर्ग और हाई–रिस्क मरीजों के लिए सुरक्षित और प्रभावी विकल्प साबित हो रही है।

लाइब्रेरी किंक्रेग मार्ग पर खाई से अज्ञात शव बरामद

देहरादून। मसूरी कोतवाली क्षेत्र में एक युवक का शव मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मसूरी देवेंद्र चौहान के मोबाइल नंबर पर प्रकाश जोशी ने सूचना देकर बताया कि लाइब्रेरी टैक्सी स्टैंड से आगे होलीडे होम गेस्ट हाउस के पास गहरी खाई में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। बिजली के खंभे लगाने वाले मजदूरों ने शव देखा है । सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि शव लगभग 20 से 25 दिन पुराना था। शव का ऊपरी हिस्सा सड़ी गली अवस्था में है। जिसके सर ,गर्दन व हाथों को जंगली जानवरों द्वारा खाया गया है। चूहे और कीड़े मकोड़े भी शव के पास थे। फायर सर्विस और आईटीबीपी मसूरी के सहयोग से शव को बाहर निकाला गया। शव को सिविल हॉस्पिटल मसूरी भेजा गया। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किया जा रहे हैं जांच की जा रही है। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। युवक ने नीले कलर की बेल्ट लगी जींन्स पहनी है। पुलिस को तलाशी में कोई भी वस्तु व पहचान नहीं मिली।

नगर निगम के ठेका कर्मी ने पंखे से लटककर दी जान

हल्द्वानी। हल्द्वानी नगर निगम के ठेका कर्मी ने संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। ऐसा करने के कारणों का पता नहीं लग सका है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।पुलिस के मुताबिक मुखानी निवासी 35 वर्षीय कुंदन चंद्र यहां परिवार के साथ रहते थे। कुछ समय पहले ही वह नगर निगम में बतौर ठेका कर्मी उनकी ड्राइवर की नौकरी लगी थी। परिजनों का कहना था कि बुधवार रात सभी ने साथ खाना खाया। इसके बाद पत्नी अपने बेटे संग कमरे में सोने चली गई। कुंदन दूसरे कमरे में सोने चला गया। गुरुवार सुबह काफी देर होने तक कुंदन बाहर नहीं आया तो पत्नी ने खिड़की से झांका। अंदर देखा तो कुंदन दुपट्टे की मदद से पंखे से लटका था। दरवाजा तोड़कर परिजन अंदर घुसे और उसे नीचे उतारा। पुलिस को घटना की सूचना दी। तत्काल कुंदन को डॉ.सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सीओ अमित सैनी ने बताया कि मामले में पूछताछ की जा रही है।

मानदेय बढ़ाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

हल्द्वानी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मानदेय बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया है। गुरुवार को कालाढूंगी के दीन दयाल पार्क में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी वर्कर धरने पर बैठीं। कहा कि उन्हें मात्र 9 हजार 3 सौ रुपया मानदेय दिया जाता है, जो बहुत कम है। उन्होंने वेतन 24 हजार रुपए करने की मांग की है। इस दौरान अध्यक्ष गीता मोमी, रमा पांडे, गंगा बिष्ट, शबनम परवीन, पुष्पा राठौर, द्रोपदी कुंवर, निर्मला कार्की, सना परवीन, सरस्वती, मंजू बोहरा, जीवंती देवी, रशीदा, पुष्पा पंत, मंजू सामंत, किरन, गीता बोरा, तनुजा, गीता देवी, विमला जोशी शामिल रहे।

ढकरानी जलविद्युत के लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश

विकासनगर। ऊर्जा उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में यूजेवीएनएल ने ढकरानी जलविद्युत परियोजना के लंबित कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने परियोजना के विद्युत गृह का निरीक्षण कर निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य 20 मई तक पूर्ण किए जाएं।निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना में चल रहे आधुनिकीकरण, नवीनीकरण एवं उच्चीकरण कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद आयोजित बैठक में अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को स्पष्ट किया कि अब किसी भी प्रकार की ढिलाई या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि निगम के लिए समयबद्धता और गुणवत्ता सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए,

श्री केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखने हेतु प्रशासन अलर्ट मोड पर

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि, प्रशासन की सख्ती और संवेदनशीलता के साथ हर व्यवस्था पर विशेष फोकस

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूर्ण रूप से अलर्ट मोड में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को धाम क्षेत्र का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पुलिस अधीक्षक, यात्रा मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, संबंधित विभागीय अधिकारी, तीर्थ पुरोहित, बीकेटीसी एवं केदार सभा के सदस्यों ने सहभागिता करते हुए व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

इस दौरान मंदिर प्रांगण, आस्था पथ, टोकन काउंटर सहित संपूर्ण धाम क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, आवास, शौचालय, खाद्य सामग्री, सुरक्षा, क्यू मैनेजमेंट सिस्टम एवं क्राउड मैनेजमेंट व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखें तथा श्रद्धालुओं के साथ सौम्य एवं मधुर व्यवहार सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त मंदिर परिसर के आसपास पड़ी बर्फ को शीघ्र हटाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित समस्त अधिकारियों के साथ धाम क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का संयुक्त निरीक्षण कर जायजा लिया गया। इस दौरान यात्रियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने गए। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम में कुछ ब्लॉगर एवं यूट्यूबर द्वारा व्यवस्थाओं को लेकर भ्रामक खबरें प्रसारित की जा रही हैं, जिससे पवित्र यात्रा की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च हिमालयी क्षेत्र की विषम परिस्थितियों के बावजूद जिला प्रशासन, स्थानीय लोगों और हकहकूकधारियों द्वारा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, केदार सभा एवं अन्य संबंधित संस्थाएं श्रद्धालुओं को बाबा केदार के सुगम एवं सुरक्षित दर्शन कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं और वर्तमान में श्रद्धालु व्यवस्थित ढंग से दर्शन कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा केदारनाथ यात्रा को सुचारु, सुरक्षित एवं श्रद्धालु-हितैषी बनाने के लिए निरंतर निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जो प्रशासन की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, अधिशासी अभियंता डीडीएमए राजविंद सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली कटौती पर किसानों ने किया ईई का घेराव

काशीपुर। बिजली कटौती से नाराज ग्राम प्रधानों और किसानों ने शुक्रवार को ईई का घेराव किया। उन्होंने कटौती बंद नहीं होने पर सोमवार से दफ्तर में तालाबंदी कर प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। साथ ही प्रधानों ने हजीरो क्षेत्र के लाइनमैन पर शराब पीने का आरोप लगाते हुए उसे हटाने की मांग भी की।

ईई ने मामले में लाइनमैन को जवाब तलब किया है। शुक्रवार को ग्राम प्रधान रायपुर दिलशाद शाह के नेतृत्व में प्रधान ईई कार्यालय पहुंचे। यहां ईई जीएस कार्की से मुलाकात कर नगर और देहात में हो रही अघोषित बिजली कटौती पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दिन–रात बिजली बंद रहने से लोग परेशान हैं, किसान अपने कार्य नहीं कर पा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, कर्मचारियों को बांटे नियुक्ति पत्र व किट

रुड़की। भवन गणना को लेकर शुक्रवार को प्रगणकों और सुपरवाइजरों को तैनाती पत्र और आवश्यक किट बांटी गई। नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज सैनी और अधिशासी अधिकारी/चार्ज जनगणना अधिकारी मंजू चौहान ने कर्मियों को सामग्री सौंपकर समयबद्ध और जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सही जानकारी दर्ज होना जरूरी है। नगर पंचायत क्षेत्र के नौ वार्डों में 20 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें 20 प्रगणक और तीन सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा जनगणना लिपिक और अतिरिक्त चार्ज अधिकारी के रूप में साहब सिंह सैनी भी मौजूद रहे।

स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में दो दिन का अवकाश

हल्द्वानी। जिले के भीमताल ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। कई गांवों में स्कूल आंगनबाड़ी केंद्रों में दो दिन 25 और 27 अप्रैल का अवकाश घोषित कर दिया है।

मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने बताया की ब्लॉक के ज्योली और भद्यूनी सहित आस–पास के कई क्षेत्रों में वन्यजीवों की सक्रियता देखी गई है। इन क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं को विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचने के लिए सुनसान मार्गों, पगडंडियों और घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ता है।

पर्यटकों की कार के ब्रेक फेल, आठ घायल

हल्द्वानी। कैंची धाम से दर्शन कर लौट रहे पर्यटकों की कार के नैनीताल मार्ग पर कालाढूंगी से चार किलोमीटर पहले ब्रेक फेल हो गए। चालक ने कार को सड़क किनारे पहाड़ी से टकराकर खाई में गिरने से रोका। इस हादसे में कार सवार सभी आठ लोग घायल हो गए। गंभीर घायल पिता–पुत्री को प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी के डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य को मामूली चोटें आई हैं।एसएसआई पंकज जोशी ने बताया कि रामनगर चौक बनारस (उत्तर प्रदेश) निवासी 42 वर्षीय सुशील शुक्ला पुत्र राम कुमार शुक्ला, अपनी पत्नी 36 वर्षीय अर्चना शुक्ला, पुत्री 12 वर्षीय सृष्टि शुक्ला, भाई 36 वर्षीय अभय शुक्ला, अभय की पत्नी 30 वर्षीय अंकिता शुक्ला, पांच वर्षीय बेटा आयुष्मान शुक्ला, तीन वर्षीय पुत्री ऐश्वर्या शुक्ला गुरुवार को बनारस से रामपुर अपने रिश्तेदार इंद्रेश कुमार शर्मा के घर आए थे। शुक्रवार की सुबह सभी अपने रिश्तेदार इंद्रेश कुमार शर्मा की कार में सवार होकर कैंची धाम दर्शन करने गए थे।

पहाड़ी रूटों पर यात्रियों का दबाव बढ़ते ही बसों का टोटा

ऋषिकेश। पर्वतीय रूटों पर बसों की कमी से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दून मार्ग स्थित इंद्रमणि बडोनी चौक पर शुक्रवार को पहाड़ में विभिन्न स्थानों पर जाने वाले यात्री बसों के इंतजार में परेशान रहे। लगने के बाद लोकल रोटेशन को अतिरिक्त बसें रूटों पर दौड़ानी पड़ रही है, जिसमें यात्रियों को लंबा इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शुक्रवार को इंद्रमणि बडोनी चौक पर पहाड़ी रूट की बसों के स्टॉपेज पर यात्रियों का जमावड़ा सुबह से ही नजर आया। टिहरी रूट के यात्रियों का अधिक दबाव होने की वजह से लोकल रोटेशन की प्रतिदिन संचालित होने वाली 25 सेवा भी कम पड़ गईं। इसी तरह से अन्य रूटों पर भी बसों की यही स्थिति बनी रही। हरदिन पर्वतीय रूट पर 125 लोकल सेवाएं संचालित होती हैं। लोकल यात्रियों के साथ ही धामों तक जाने के लिए इन बसों के लिए तीर्थयात्री के भी पहुंचने से यह समस्या पैदा होने का दावा किया जा रहा है।

एमपीएड–बीपीएड छात्रों का शैक्षिक दल कोटद्वार रवाना

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के अंतर्गत संचालित एमपीएड और बीपीएड पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु छात्रों का शैक्षिक भ्रमण दल शुक्रवार को वैदिक गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार के लिए रवाना हुआ। कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए छात्रों को अनुशासन, वैदिक मूल्यों और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। शिविर संयोजक डॉ. शिवकुमार चौहान ने बताया कि 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित यह तीन दिवसीय कैंप पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है, जिसमें प्रतिभागियों को प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करनी होगी।

25 अप्रैल से शुरू होगी उत्तराखंड में डिजिटल जनगणना

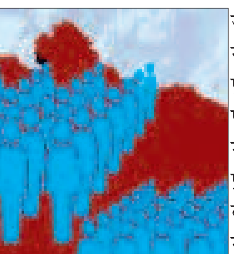

देहरादून। शुक्रवार को जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनगणना 2027 के प्रथम चरण–मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों को लेकर एक प्रेस वार्ता पीआईबी देहरादून के सहयोग से आयोजित की गई। इस अवसर पर इवा आशीष श्रीवास्तव, निदेशक (जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार) ने मीडिया को संबोधित करते हुए अब तक की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तराखंड में 10 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 के बीच 62,000 से अधिक नागरिकों ने डिजिटल माध्यम से स्व–गणना पूरी की। इसमें देहरादून जिला अग्रणी रहा, जहाँ 10,884 लोगों ने स्व–गणना की। उत्तराखंड में जनगणना कार्य के सफल संचालन हेतु 20,859 प्रगणकों तथा 3,670 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन सभी को 555 प्रशिक्षण बैंचों में विभाजित कर पूर्णतः प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें विशेष रूप से विकसित एचएलओ मोबाइल एप पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है। डिजिटल नवाचार के तहत एचएलबीसी पोर्टल के माध्यम से पूरे राज्य को 29,567 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में विभाजित कर उनके डिजिटल मानचित्र तैयार किए गए हैं। इन मानचित्रों का उपयोग प्रगणक फील्ड कार्य के दौरान करेंगे।

कांग्रेस नेताओं ने दिया नर्सिंग आंदोलन को समर्थन

– नर्सिंगकर्मियों का आंदोलन 141वें दिन में, आमरण अनशन छठे दिन भी जारी

देहरादून। उत्तराखंड में नर्सिंग एकता मंच के बैनर तले नर्सिंगकर्मियों का आंदोलन लगातार जारी है। आज धरने का 141वां दिन है, जबकि आमरण अनशन छठे दिन में प्रवेश कर चुका है। अपनी मांगों को लेकर नर्सिंगकर्मी धरना स्थल पर डटे हुए हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। धरना स्थल पर आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल और महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा पहुँचीं। उन्होंने आंदोलनकारियों को अपना समर्थन दिया। आशा शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष को नर्सिंगकर्मियों की मांगों से अवगत कराया और सरकार पर असंवेदनशील रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नर्सिंगकर्मियों की आवाज़ को लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है। नर्सिंगकर्मियों की प्रमुख मांग वर्षवार भर्ती प्रणाली लागू करने की है। उनका कहना है कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता के कारण योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। नर्सिंगकर्मियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार द्वारा ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका धरना और आमरण अनशन जारी रहेगा।

निराश्रित गोवंश और स्ट्रीट डाग के आतंक से लोग परेशान

ऋषिकेश। गंगानगर क्षेत्र में लोग निराश्रित गोवंश, स्ट्रीट डाग के आतंक से परेशान हैं। इसके साथ ही बंदर भी क्षेत्र में लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। समस्या के समाधान की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से गुहार लगाई है। तीर्थनगरी में निराश्रित पशुओं की समस्या लंबे समय से रही है। मोहल्लों में निराश्रित पशु लोगों पर आए दिन हमला करते हैं। कई बार यह हमले जानलेवा हो चुके हैं। नगर निगम की ओर से रायवाला में गोशाला बनाने का प्रस्ताव है। लेकिन अभी गोशाला बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया है। गंगानगर क्षेत्र में भी लोग सड़क पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं, आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से परेशान है। आवारा कुत्ते कई लोगों पर हमला कर काट चुके है। क्षेत्रवासी प्यारेलाल जुगरान का कहना है कि निराश्रित पशु,आवारा कुत्ते और बंदर लोगों के लिये मुसीबत बन गए हैं, जिससे लोग दहशत में है। खासकर स्कूली बच्चों एवं बुर्जुगों को दिक्कत आ रही है। उन्होंने निगम से मामले में अभियान चलाने की मांग की। ज्ञात हो कि पूर्व में भी क्षेत्रवासी कई बार निगम से मामले में अभियान चलाने की मांग कर चुके है।

एक नजर

विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल में काउंसलिंग सेल का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों का प्लेसमेंट किया गया। आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य मनोज उप्रेती ने किया। कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ना है। समय-समय पर महाविद्यालय में स्वरोजगार से संबंधित कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती है। कार्यशाला में विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया। कहा कि हमें जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ाना चाहिए। करियर काउंसलिंग सेल के सदस्य डा. लक्ष्मी जोशी व डा. विपिन पंवार ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित किया।

झाड़ियों में लगी आग, हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के समीप झाड़ियों में अचानक आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। गाड़ीघाट क्षेत्र से गुजर रहे कुछ लोगों को रेलवे स्टेशन के समीप झाड़ियों से आग की लपटे निकलती हुई दिखाई दी। जिसकी सूचना उन्होंने दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने बताया कि रेलवे के आसपास घनी आबादी रहती है। ऐसे में समय से आग पर काबू पाने से एक बड़ा हादसा होने से बच गया। आग से किसी भी तरह का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। इस दौरान लोगों को कहीं भी आग लगने पर इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को देने की अपील की गई।

जनगणना का प्रथम चरण आज से होगा शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद में शनिवार से जनगणना का प्रथम चरण शुरू होगा। जनगणना के कार्यों की डीएम हर हफ्ते समीक्षा करेंगी। डीएम ने जनगणना प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को दिए गए प्रशिक्षण का आंकलन किया और कार्य की गुणवत्ता, शुद्धता व समयबद्धता के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को जनगणना के कार्य को गंभीरता से लेने को कहा। कलक्ट्रेट में डीएम स्वाति एस भदौरिया ने शुक्रवार को जनगणना-2026 की तैयारियों व स्व-गणना की प्रगति की समीक्षा की। बताया कि जनगणना का प्रथम चरण 25 अप्रैल से 24 मई तक आयोजित किया जाएगा। सभी प्रगणक 27 अप्रैल तक अपने कार्यक्षेत्र में कुल परिवारों की संख्या का आंकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। जबकि प्रभारी अपर जिलाधिकारी जनगणना कार्य की साप्ताहिक समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी एसडीएम को संबंधित क्षेत्रों में स्व-गणना की प्रगति की जानकारी मांगी। साथ ही जनगणना से पूर्व किए जा रहे सीमांकन कार्य की समीक्षा भी की। इस मौके पर प्रभारी एडीएम/संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, डीईओ प्राथमिक शिक्षा अंशुल बिष्ट, एडीआईओ हेमंत काला, जनगणना मास्टर ट्रेनर कमल कर्नाटक आदि मौजूद रहे।

चार टीमों का लीग के लिए चयन

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा रोटरी क्लब ने स्व. आयुष नेगी और स्व. नंददीप मल्ल मेमोरियल स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की। जूनियर वर्ग के मुकाबले रोमांचक रहे। सेंट थेरेसास कॉन्वेंट, सेंजो किलकिलेश्वर, सेमफोर्ड पब्लिक और मास्टर माइंड पब्लिक स्कूल ने अंतिम चार में जगह बनाई। ये टीमें अब लीग मैच खेलेंगी। शुक्रवार को हुए पहले मैच में सेंट थेरेसास ने हेवन ऐंजल पब्लिक स्कूल को 5-0 से हराया। अक्षत ने दो गोल किए। सेंजो किलकिलेश्वर ने रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से मात दी। सेमफोर्ड पब्लिक स्कूल ने सरस्वती विद्यामंदिर श्रीकोट को पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से हराया। मास्टर माइंड पब्लिक स्कूल ने गुरु रामराय पब्लिक स्कूल को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। खेल प्रभारी प्रदीप मल्ल ने सीनियर वर्ग के आगामी मैचों की जानकारी दी। सीनियर वर्ग में सेमफोर्ड, गुरु रामराय, सेंट थेरेसास और रेनबो पब्लिक स्कूल की टीमें खेलेंगी। क्लब अध्यक्ष सुनील बिजल्वाण ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। (एजेंसी)

बीईओ ने दर्ज कराई रिपोर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : खंड शिक्षा अधिकारी व शिक्षकों के साथ गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देने के मामले में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विवेक पंवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विभागीय उच्चाधिकारियों को भी मामले की सूचना दी है।

बीईओ पंवार ने बताया कि बीते गुरूवार को ब्लॉक के पीठसैंण में बहुद्देशीय शिविर आयोजित हुआ था, जिसमें विभाग की ओर से शिक्षकों ने स्टॉल लगाए थे। स्टॉल पर प्रावि टेवलियाखाल के शिक्षक गिरीश चंद्र, प्रावि ग्वाल्थी के गुलाब सिंह व प्रावि पापतोली के धनीराम को विभागीय जानकारियां देने के लिए नामित किया गया था। आरोप लगाया कि ग्राम मनसारी निवासी नवीन जोशी ने स्टॉल पर आकर बीईओ विवेक पंवार व शिक्षकों के साथ गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। जब उन्होंने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो उसने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए नौकरी करना सिखाने की धमकी देने लगा। उन्होंने मामले में थाना थलीसैंण में आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही विभागीय उच्चाधिकारियों को भी मामले से अवगत कराया है।

आज से शुरू होगा बागसैंण मेला

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के न्याय पंचायत चाछकिंडा स्थित बागसैंण मैदान में 25 और 26 अप्रैल को बागसैंण मेले का आयोजन होगा। मेले को इस बार नया रूप दिया जा रहा है। अब दो दिवसीय इस मेले में दुकानों के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और आधुनिक गतिविधियों का आकर्षक संगम देखने को मिलेगा। बागसैंण मेला समिति के उपाध्यक्ष सतीश बलूनी ने बताया कि मेले के पहले दिन 25 अप्रैल को पर्यटन विभाग की ओर से पैराग्लाइडिंग होगी। इसके जरिये क्षेत्र की पर्यटन की संभावनाओं को भी नई दिशा मिलेगी। इसके लिए शुक्रवार को पैराग्लाइडिंग का ट्रायल भी किया गया। बलूनी ने बताया कि मेले में छात्र-छात्राओं और महिला मंगल दलों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। 26 अप्रैल को शैलनट की ओर से गढ़वाली नाटक 'चक्रव्यूह' का मंचन किया जाएगा। इसके अलावा दोनों दिनों प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजन में विधायक विनोद कंडारी का विशेष सहयोग है। समिति के संरक्षण नरेंद्र कुंवर, अध्यक्ष राजेंद्र, सचिव परमवीर कठैत ने लोगों से मेले में पहुंचने की अपील की। (एजेंसी)

गोखले मार्ग में सख्ती, कैमरे से रखी जाएगी अतिक्रमण पर नजर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गोखले मार्ग में सड़क पर अतिक्रमण कर फल-सब्जी की रेहड़ी-फड़ लगाने वाले व्यापारियों के आगे आखिरकार नगर निगम नतमस्तक हो गया। नगर निगम प्रशासन ने अब गोखले मार्ग में ही इन व्यापारियों के लिए सड़क के दोनों ओर दो-दो फीट जगह दे दी है। निगम प्रशासन ने सफेद पट्टी खींच फड़-ठेली लगाने के लिए स्थान चिह्नित कर दिया।

कोटद्वार में गोखले मार्ग में मौजूद अतिक्रमण नगर निगम प्रशासन के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर निगम प्रशासन वक्त-बेवक्त गोखले मार्ग में पहुंच सड़क पर रेहड़ी-फड़ लगा फल-सब्जी बेचने वालों का सामान जब्त करने के साथ ही जुर्माना भी वसूलता है। लेकिन, टीम के वापस लौटते ही गोखले मार्ग में हालात पूर्ववत हो जाते हैं। निगम प्रशासन की तमाम चेतावनियों के बाद भी इस मार्ग से अतिक्रमण नहीं हट पाया। नतीजा, अब नगर निगम प्रशासन इन व्यापारियों को गोखले मार्ग पर ही स्थापित करने की तैयारी में है। गुरूवार को सड़क के दोनों ओर नाली के बाहर दो-दो फीट की दूरी पर सफेद पट्टी खींच दी गई। फल-सब्जी व्यापारियों को इसी पट्टी के भीतर रेहड़ी-फड़ लगाने के निर्देश दिए गए हैं। कहा गया कि यदि पट्टी से बाहर दुकान लगाई तो चालान किया जाएगा। निगम प्रशासन गोखले मार्ग में तीन-चार स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने जा रहा है, जिसका कंट्रोल रूम निगम कार्यालय में होगा। जिस व्यापारी की रेहड़ी-फड़ सफेद पट्टी के बाहर होगी, उस व्यापारी के खिलाफ चालानी कार्यवाही की जाएगी।

गोखले मार्ग पर सफेद पट्टी खिंचवाता नगर निगम

रेल परियोजना प्रभावितों ने तहसील में किया प्रदर्शन

मुआवजा राशि देने, वंचित परिवारों को सूची में शामिल करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के निर्माण कार्यों से प्रभावित ग्रामीणों का शुक्रवार को मुआवजे में देरी को लेकर गुस्सा फूट पड़ा। प्रभावित ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर धरना दिया। साथ ही शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उन्होंने दो सप्ताह में मुआवजा राशि का भुगतान न किए जाने और वंचित परिवारों को सूची में शामिल न किए जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

शुक्रवार को कांग्रेस और उक्रांद के कार्यकर्ताओं के साथ ही परियोजना प्रभावित बड़ी संख्या में तहसील मुख्यालय कीर्तिनगर पहुंचे और प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए। उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। लक्ष्मोली, मलेथा, घिल्डियालगांव, जाखणी, देवली, रानीहाट, नैथाणा आदि गांवों के प्रभावित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रेलवे परियोजना के सुरंग निर्माण के दौरान हुई ब्लास्टिंग से कई मकानों में दरारें आ गईं और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन पिछले करीब दो वर्षों से मुआवजा नहीं मिल पाया है, जबकि मुआवजे के लिए आरवीएनएल ने साढ़े 3 करोड़ रुपये अवमुक्त किए थे। ग्रामीणों ने कहा कि कई प्रभावित परिवार सर्वे से भी वंचित हैं। उन्होंने पुनः सर्वेक्षण, वास्तविक क्षति के अनुसार मुआवजा देने और सीएसआर फंड से प्रस्तावित विकास कार्यों को जल्द शुरू करने की मांग उठाई। इस मौके पर उपजिलाधिकारी मंजू राजपूत ने बताया कि विकासखंड में कुल 469 प्रभावित परिवार चिह्नित किए गए हैं।

श्रीनगर बनेगा कचरा प्रबंधन का मॉडल

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निस्तारण एवं भूमि भरण स्थल पर 150 टन प्रतिदिन क्षमता वाली ट्रॉमल मशीन का ट्रायल शुरू कर दिया गया है। यह प्लांट श्रीनगर में ठोस कचरा प्रबंधन का मॉडल बनेगा। इस आधुनिक प्लांट में शहर से एकत्रित कूड़े को ट्रंचिंग ग्राउंड तक लाकर ट्रॉमल मशीन के माध्यम से गीले और सूखे कचरे को अलग किया जाएगा। गीले कचरे जैसे रसोई अपशिष्ट, फल-सब्जियों के अवशेष से जैविक खाद तैयार की जाएगी, जबकि सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक, गत्ता, थर्माकोल और कपड़ों को रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाएगा। मेयर आरती भंडारी और नगर आयुक्त नुपूर वर्मा ने संयुक्त रूप से ट्रॉमल मशीन के ट्रायल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार, अधिशाषी अभियंता पवन कोठियाल, लेखाकार राम जायसवाल सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मेयर ने कहा कि यह आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट श्रीनगर के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी। नगर आयुक्त नुपूर वर्मा ने बताया कि ट्रॉमल मशीन के जरिये कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया जाएगा। रीसाइक्लिंग से नगर निगम की आय भी बढ़ेगी। (एजेंसी)

केदारनाथ धाम में श्रद्धालु को मिला त्वरित उपचार

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम में राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के प्रयास लगातार प्रभावी साबित हो रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण उस समय देखने को मिला जब खटीमा से आए श्रद्धालु स्वर्ण सिंह का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और उन्हें केदारनाथ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

मकानों की गणना का कार्य प्रारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रशिक्षण के उपरांत अब शनिवार से घर-घर जाकर सीएमएम पोर्टल में मकानों की गणना कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इसके लिए प्रगणकों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

जनगणना-2027 के लिए कुछ दिन पूर्व प्रेक्षागृह में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रगणकों को कार्य से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद अब घर-घर सीएमएम पोर्टल में गणना का कार्य होने जा रहा है। इसके तहत टीमें हर वार्ड में पहुंचकर गणना का कार्य करेगी। इसके लिए प्रगणकों को किट व अन्य सामग्री भी दी गई। गणना का कार्य नगर आयुक्त पीएल शाह, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, जनगणना अधिकारी अजय कुमार अष्टवाल की देख-रेख में होगा।

लोक गायक सौरभ मैठाणी के गीतों पर झूमे श्रोता

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोकगायक सौरभ मैठाणी को स्मृति चिह्न प्रदान करते शैलेंद्र सिंह बिष्ट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की स्मृति में आयोजित मेले के दौरान लोक गायक सौरभ मैठाणी की आवाज का जादू देखने को मिला। लोक गायक के गीतों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की स्मृति व पेशावर कांड की 96वीं पुण्य तिथि पर ग्रास्टनगंज में मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए दिया गया वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम सभी को वीर महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पेशावर कांड के इतिहास के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इसके उपरांत लोकगायक सौरभ मैठाणी ने अपने गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने मैं पहाड़ कु रैबासी तू दिल्ली रौंण वाली.., ऊंचा-ऊंचा सैंडिल..., सचि बूनऊंछो... सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर शाम तक श्रोता लोकगायक सौरभ मैठाणी के गीतों पर झूमते रहे। इस दौरान मेले में बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों को लेकर पहुंचे हुए थे। मेले के दौरान 27 अप्रैल को लोकगायिका मंजू नौटियाल व 30 अप्रैल को गजेंद्र राणा अपने गीतों की प्रस्तुति देंगे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ पीतांबर दत्त बरथवाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में एक दिवसीय कार्यशाला(समीक्षा बैठक) का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला मे वाधवानी फाऊंडेशन एवं क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा देहरादून से संयुक्त विशेषज्ञों की टीम ने महाविद्यालय में नेशनल फिनिशिंग स्कूलःएम्पलॉयबिलिटी स्किल कोर्सेज एवं करियर में इस कोर्स की उपयोगिता पर छात्र–छात्राओं के साथ उपस्थित होकर संवाद किया।

महाविद्यालय के नोडल डॉ सुरेश कुमार ने विशेषज्ञों का महाविद्यालय की ओर से स्वागत किया। उन्होंने रोजगार योग्यता कौशल और इसके कोर्सेज को समय की आवश्यकता बताया। वाधवानी स्किल प्रोग्राम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार डोबरियाल ने छात्रों को वाधवानी स्किल प्रोग्राम की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया गया।

वाधवानी फाऊंडेशन के कोलकाता से आये विशेषज्ञ प्रसेनजीत बनर्जी ने महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के साथ सीधा संवाद किया गया। उन्होंने वाधवानी फाऊंडेशन की तरफ से चलाए जा रहे छात्र हित के कार्यक्रमों विशेषतः एनएफसीः एम्पलाईबिलिटी स्किल्स प्रोग्राम पर जोर दिया। इसके अंतर्गत उन्होंने प्लेसमेंट प्रेप फीचर की उपयोगिता को भी छात्रों के साथ साझा किया। विशेषज्ञ ने छात्रों की उपस्थिति और सीखने के उत्साह की सराहना की है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डीएस नेगी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार व वाधवानी फाऊंडेशन की ओर से चलाया जा रहा प्रयास अत्यंत उपयोगी व लाभप्रद है। छात्र–छात्राओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि वे शैक्षणिक ज्ञान तक ही सीमित ना रहे बल्कि तकनीकी व रोजगार पर कौशल को भी विकसित करें। कार्यशाला में महाविद्यालय की वाधवानी फाऊंडेशन से प्रशिक्षित फैकल्टी सदस्य डॉ ऐश्वर्या राणा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी प्रेरणादायक व सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर तृप्ति दीक्षित द्वारा कौशल विकास की महत्ता को बताते हुए समस्त छात्र–छात्राओं व उपस्थित टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में कौशल विकास समिति के अन्य सदस्य डॉ जितेंद्र दिवाकर व डॉक्टर हिमांशु उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और साथ ही यह कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी व प्रेरणादायक सिद्ध हुआ जिससे उन्हें अपने कैरियर निर्माण प्लेसमेंट व इंटरव्यू कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ ।

को-ऑपरेटिव विलेज के रूप में विकसित होगा चौखाल

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : चौखाल सहकारी समिति गुरुफाली की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक (एजीएम) शुक्रवार को आयोजित हुई। इस मौके पर सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने क्षेत्र को को-ऑपरेटिव विलेज के रूप में विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने जिला सहकारी बैंक की नई शाखा खोलने की संभावनाएं तलाशने और गांवों में माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराने पर जोर दिया, ताकि ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकें।

बैठक में समिति की प्रगति रिपोर्ट और आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। किसानों व सदस्यों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर मंत्री ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने किसानों से फसल बीमा कराने की अपील की। मंत्री ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोपताखाल में हाईब्रिड क्लासरूम का लोकार्पण किया और विभिन्न विद्यालयों में निर्माण व सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलेगा। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य रजनी, पूर्व अध्यक्ष शांति देवी, आनंद सिंह नेगी, मनोज रमोला, राकेश ममगाईं, मनोज भंडारी आदि मौजूद रहे।

छात्रों को दिए कैरियर बनाने के टिप्स

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एचएनबी गढ़वाल विवि के समाज शास्त्र विभाग और नांदी फाउंडेशन की संयुक्त पहल पर एम्प्लॉयबिलिटी स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें शिक्षाविदों ने छात्र–छात्राओं को संप्रेषण कौशल, साक्षात्कार कौशल व कॅरियर निर्धारण के टिप्स दिए। पूर्व परिसर निदेशक प्रो. पीपी बडोनी ने बालिका सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्यशाला के महत्वपूर्ण बताया।

बीजीआर परिसर सभागार में कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने किया। कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक के दौर में केवल औपचारिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल विकास से ही छात्र बेहतर भविष्य बना सकते हैं। एचओडी समाजशास्त्र डॉ. किरन बाला ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर रोशनी डाली। कहा कि इसके माध्यम से युवाओं के आत्मविश्वास, संप्रेषण क्षमता व पेशेवर दृष्टिकोण में सुधार हुए हैं। इस मौके पर फाउंडेशन के हर्षवर्धन सैनी, प्रो. कुसुम डोबरियाल, प्रो. अनूप पांडेय, डॉ. धारणा शर्मा, छात्रा सिमरन, तनुजा, सुमित, मेघना, दीपशिखा आदि मौजूद रहे।

बेस अस्पताल में भी होगी स्तन कैंसर की जांच

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षा मंत्रालय से संबद्ध भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड की कोटद्वार इकाई क्षेत्र की जनता को सौगात देने जा रही है। इकाई सामुदायिक सहभागिता योजना के तहत बेस चिकित्सालय में मैमोग्राफी मशीन स्थापित कर रही है। इस मशीन के स्थापित होने के बाद महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच के लिए महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। साथ ही समय से स्तन कैंसर का पता चलने से बेहतर उपचार भी किया जा सकेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट पर नजर डालें तो वर्ष 2022 में महिलाओं में स्तन कैंसर के 23 लाख नए मामले सामने आए थे। साथ ही छः लाख से अधिक महिलाओं की मौत स्तन कैंसर के कारण हुई। यहां यह बताना बेहद जरूरी है कि महिलाओं में स्तन कैंसर दुनिया का सबसे आम कैंसर बन गया है और कैंसर के कुल मामलों में से तीन-चौथाई मामले स्तन कैंसर के ही होते हैं। स्तन कैंसर के बढ़ने के पीछे का प्रमुख कारण समय रहते इस बीमारी का पता न लग पाना है। महानगरों में भले ही स्तन कैंसर की जांच के लिए तमाम सुविधाओं हों।

लेकिन, छोटे शहरों में आज भी स्तन कैंसर जांच के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2023 में श्री सिद्धबली मंदिर समिति व स्व. अखिल ध्यानी स्मृति ट्रस्ट की ओर से स्तर कैंसर जांच के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कैंसर विशेषज्ञ डा. अरूज ध्यानी के नेतृत्व में फोर्टिज, मैक्स, मेदांता चिकित्सालयों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर में पांच महिलाओं का ब्रेस्ट स्कैन किया गया, जिनमें से एक महिला में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि हुई। डा. ध्यानी ने स्पष्ट कहा कि शिविर में अधिकांश मरीज ऐसे थे, जिन्हें इस बात की कोई संभावना नहीं थी कि उन्हें कैंसर की बीमारी हो सकती है। डा. ध्यानी ने कहा कि आमजन को समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते रहना चाहिए। समस्या यह है कि कोटद्वार सहित अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में स्तन कैंसर की जांच के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। लेकिन, अब जल्द ही कोटद्वार में स्तन कैंसर जांच की सुविधा आमजन को मिलेगी। दरअसल, बीईएल की कोटद्वार इकाई जल्द ही चिकित्सालय में करोड़ों की लागत वाली मैमोग्राफी मशीन स्थापित करने जा रही है। कंपनी प्रबंधन की ओर से बीते वर्ष मशीन खरीदने व इसे स्थापित करने के लिए निविदाएं निकाली गई थी। जिसके बाद अब कंपनी ने मशीन की खरीद कर दी है। साथ ही बेस चिकित्सालय के रेडियोलाजी विभाग में मशीन को स्थापित करने के लिए कार्य शुरू करवा दिया है। चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा. विजय सिंह ने बताया कि जल्द ही मशीन को स्थापित कर दिया जाएगा।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम व पुस्तक मेले का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार (कोडः 12042) में आज एक भव्य इंडक्शन प्रोग्राम (दीक्षा समारोह) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्र के प्राचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य नए प्रवेश लेने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और शैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ. कपिल थपलियाल ने किया। इस दौरान केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर राखी डिमरी ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय के नियमों और अकादमिक कैलेंडर की विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर डिमरी ने छात्रों को ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, काउंसलिंग सत्रों की महत्ता और प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से समझाया।

उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, "मुक्त शिक्षा प्रणाली में स्वयं–अध्ययन के साथ–साथ तकनीकी जानकारी का होना अत्यंत आवश्यक है। यह इंडक्शन प्रोग्राम छात्रों को इन सब विषयों में स्पष्टता प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है।"

पुस्तक मेले का हुआ आयोजन

इंडक्शन प्रोग्राम के उपरांत, अध्ययन केंद्र परिसर में एक 'पुस्तक मेला' आयोजित किया गया। इस मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम से संबंधित आवश्यक पुस्तकें वितरित की गईं, ताकि वे समय रहते अपनी आगामी पढ़ाई की तैयारी शुरू कर सकें। छात्रों ने इस पहल की सराहना की और उत्साह के साथ पुस्तकें प्राप्त कीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें निरंतर अध्ययन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अध्ययन केंद्र छात्रों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर है और किसी भी प्रकार की शैक्षणिक समस्या के समाधान के लिए विद्यार्थी कभी भी केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर डॉ. संदीप किमोठी और डॉ. अनुपम कोठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री उमेश खुगशाल, श्री संदीप चौहान, श्री कुलदीप रावत और श्री कमलेश कुमार का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देने और उनके संशयों के निराकरण के साथ हुआ।

संपादकीय

वीआईपी कल्चर में पिसती जनता

वीआईपी कल्चर का चलन आम लोगों की दिनचर्या पर व्यापक असर डाल रहा है। हाल ही में मुंबई के एक वायरल वीडियो ने इस समस्या पर पूरे देश का ध्यान खींचा है। मुंबई में भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्री की अगुवाई में आक्रोश रैली निकाली जा रही थी जो कि महिला आरक्षण बिल में कांग्रेस की भूमिका के विरोध में आयोजित की गई थी। इस रैली के कारण लोग घंटे तक जाम में फंसे रहे लेकिन प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ मंत्री तक को आम जनता की समस्या से कोई लेना–देना नहीं रहा। जाम में पीस रही एक महिला ने रैली निकालने के तरीके का विरोध किया और मंत्री को ही जमकर खरी–खोटी सुनाई। यही नहीं पुलिस के साथ भी तीखी नौकरी हुई। महिला का वीडियो वायरल होने के साथ ही पूरे देश में इस प्रकार से सड़कों पर रैली निकालने और आम लोगों को परेशानी होने के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया। देश भर में महिला की भूमिका की सराहना की गई तो वहीं महाराष्ट्र सरकार की प्रतिक्रिया कोई सकारात्मक नहीं रही। महिला पर ही अभद्रता करने के आरोप लगाए जाने लगे जो की काफी आश्चर्य जनक है। हमारे देश की यह विडंबना है कि आए दिन अति विशिष्ट लोगों की खातिरदारी और उनके आवागमन में ट्रैफिक रोककर जनता को परेशान किया जाता है। उत्तराखंड में भी यह समस्या एक विकराल रूप ले चुकी है और यहां भी सड़कों पर आए दिन यातायात रोक कर वीआईपी व्यक्तियों को पहले निकल जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी के कार्यकाल में यह परंपरा बंद की गई थी लेकिन उनके बाद जनता की परेशानी का यह क्रम फिर होना शुरू हो गया। नेताओं और अधिकारियों को अपने आचरण में आम जनता के हितों का ध्यान रखना चाहिए। खास तौर से नेताओं को कम से कम वाहनों का काफिला लेकर चलना चाहिए ताकि उनको वोट देने वाली जनता तपती दोपहरी में परेशान ना हो। आज उत्तराखंड वीआईपी कल्चर की चपेट में है और यहां सड़कों पर बिना कारण हूटर बजाना और वाहनों पर अनर्गल तरीके से बत्तियां लगाकर रौब झड़ने का चलन आम होने लगा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो स्वयं आम जनता के साथ सीधा संवाद रखते हैं उन्हें इस दिशा में गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए ताकि अपने जरूरी काम से जाने वाले लोग वीआईपी काफिले के कारण परेशान ना हो। जिस प्रकार से मुंबई में सामने आया प्रकरण वीआईपी कल्चर की बुराइयों को सामने लाया है वह खुद में एक मिसाल है। आम जनता के धैर्य का एक पैमाना है और जब वह टूटता है तो फिर उसके परिणाम अक्सर घातक भी साबित हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है- एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दशार्ता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

बंपर वोटिंग का संदेश: क्या ज्यादा मतदान सत्ता की वापसी का संकेत है या बदलाव की आहट–जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है–क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90% के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दशार्ता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'जनता की आवाज' बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे 'परिवर्तन की लहर' के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे–महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति–चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।

अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है।

बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह

संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है।

राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंततः, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से

अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है।

बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार जीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो , एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

श्रीलंका : अवैध रूप से रह रहे एक भारतीय समेत 51 विदेशी गिरफ्तार

नेगोम्बो, एजेंसी। श्रीलंका के नेगोम्बो शहर में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे 50 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। आव्रजन और आप्रवासन विभाग ने मंगलवार को एक आवास पर छापा मारकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 47 चीनी, 2 मलयेशियाई और एक भारतीय नागरिक है। अधिकारियों के अनुसार ये सभी व्यापार वीजा पर श्रीलंका आए थे।

इंडोनेशिया : 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की संचार मंत्री मेउत्या हाफिद ने बुधवार को बताया कि वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने बच्चों के लिए लागू सोशल मीडिया प्रतिबंधों का पालन करने पर सहमति दे दी है। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने इस संबंध में अनुपालन पत्र सौंप दिया है। नए नियमों के तहत, इंडोनेशिया ने उच्च जोखिम वाले प्लेटफार्मों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट निष्क्रिय करने का निर्देश दिया है। कंपनी भविष्य में बच्चों और किशोरों को लक्षित करने वाले विज्ञापनों को भी हटाएगी। यूट्यूब ने बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप की मीडिया कंपनी टीएमटीजी ने ट्रुथ सोशल के सीईओ को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ने पूर्व कांग्रेसी डेविन नुनेस को सीईओ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिजिटल मीडिया कार्यकारी केविन मैकगर्न को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव कंपनी के शेयरों में 67 फीसदी की भारी गिरावट के बाद हुआ है, जिससे निवेशकों के 6 अरब डॉलर से अधिक डूब गए। नए सीईओ मैकगर्न ने कहा कि कंपनी अब ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है। ट्रंप ने इस प्लेटफॉर्म को ट्विटर के विकल्प के रूप में बनाया था।

आईएनएस निरीक्षक पहुंचा श्रीलंका... और बढ़ेगा समुद्री सहयोग

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल टर्नअराउंड यानी संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए श्रीलंका पहुंच गया हैं। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। भारतीय उच्चायोग ने बताया, श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को पुरानी नौसैन्य परंपराओं के मुताबिक कोलंबो बंदरगाह पर आईएनएस निरीक्षक का स्वागत किया। यह कमांडर शैलेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में श्रीलंकाई गोताखोरों को प्रशिक्षण देगा व अन्य गतिविधियों में भाग लेगा।

फिटनेस से जीतना चाहते हैं चुनाव लूला दा सिल्वा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा 80 साल की उम्र में भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उम्र को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वह रोज जिम में वर्कआउट कर रहे हैं और खुद को फिट दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह 120 साल तक जीना चाहते हैं। उनके प्रतिद्वंदी फ्लेवियो बोल्सोनारो उनसे लगभग आधी उम्र के हैं और वह भी फिटनेस दिखाकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों के बीच अब चुनाव सिर्फ नीतियों का नहीं बल्कि छवि का भी बन गया है। कुछ लोग लूला की उम्र को लेकर चिंतित हैं, जबकि कई लोग उनकी फिटनेस से प्रेरित भी हो रहे हैं। ब्राजील में 60 साल से ऊपर के मतदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह चुनाव और दिलचस्प हो गया है। इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

ईरान ने मेरे सम्मान में 8 महिलाओं की फांसी रोकी, ट्रंप का दावा; लेकिन खुल गई पोल

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच आठ ईरानी महिला प्रदर्शनकारियों की कथित फांसी की सजा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उनके कहने पर ईरान ने फांसी रोक दी है, वहीं ईरान ने उनके दावों को पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने मेरा सम्मान किया : बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने उनके प्रति सम्मान दिखाते हुए आठ महिला प्रदर्शनकारियों की फांसी रद्द कर दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसे बहुत अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इन आठ में से चार महिलाओं को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा और बाकी चार को सिर्फ एक महीने की जेल होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा- बहुत अच्छी खबर! मुझे अभी-अभी सूचित किया गया है कि ईरान में आज रात जिन आठ महिला प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जाने वाली थी, उन्हें अब नहीं मारा जाएगा। चार को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा, और चार को एक महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी। मैं इस बात की बहुत सराहना करता हूं कि ईरान और उसके नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे अनुरोध का सम्मान किया और प्रस्तावित फांसी को रद्द कर दिया। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ईरान का खंडन: ट्रंप अफवाहों का शिकार हुए : ईरान ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी इज्जत बचाने की कोशिश बताया है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मीजान' ने स्पष्ट किया कि इन महिलाओं को फांसी देने की कोई योजना ही नहीं थी। एजेंसी ने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को पहले ही रिहा किया जा चुका है। कुछ महिलाओं पर ऐसे आरोप जरूर हैं जिनमें उन्हें जेल हो सकती है, लेकिन मौत की सजा का कोई सवाल ही नहीं था। मीजान ने तंज कसते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में खाली हाथ रहने के कारण ट्रंप हताश हैं और झूठी खबरों के जरिए अपनी फर्जी उपलब्धियां गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रंप ईरान विरोधी गुटों द्वारा फैलाई गई झूठी अफवाहों के झांसे में आ गए हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सोशल मीडिया एक्टिविस्ट इयाल याकोबी की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया था। याकोबी ने अपनी पोस्ट में दावा किया था कि ईरान आठ महिलाओं को फांसी पर लटकाने की तैयारी कर रहा है। इस पोस्ट में उन महिलाओं की तस्वीरें भी शामिल थीं, जिन्हें फांसी दिए जाने का खतरा था।

इस जानकारी के सामने आने के बाद, ट्रंप ने सीधे ईरानी सरकार को संबोधित करते हुए एक सख्त लेकिन कूटनीतिक संदेश दिया था: ईरानी नेताओं को, जो जल्द ही मेरे प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने वाले हैं: मैं इन महिलाओं की रिहाई की बहुत सराहना करूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि वे (अमेरिकी प्रतिनिधि) इस बात का सम्मान करेंगे कि आपने ऐसा किया है। कृपया उन्हें (महिलाओं को) कोई नुकसान न पहुंचाएं! यह हमारी बातचीत के लिए एक शानदार शुरुआत होगी!!! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इस बयानबाजी के पीछे एक बड़ा युद्ध और व्यापारिक तनाव छिपा है। दरअसल यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अमेरिका ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। ट्रंप ने 8 अप्रैल को इस युद्धविराम का ऐलान किया था और मंगलवार को इसकी अवधि आगे बढ़ाई थी। ट्रंप की हताशा का एक बड़ा कारण यह है कि युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने से इनकार कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि विश्व का 20% (पांचवां हिस्सा) तेल और गैस का व्यापार इसी रास्ते से होता है। इस पूरे घटनाक्रम और विवाद पर बुधवार को न तो वाइट हाउस और न ही ईरान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत कोई आधिकारिक टिप्पणी की है। मीजान न्यूज एजेंसी लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि ईरान ने अमेरिका के सामने कोई रियायत नहीं दी है।

अब पाकिस्तान की नेशनल तेल रिफाइनरी पर बड़ा हमला, अज्ञात लोगों ने चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख तेल कंपनी 'नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड' ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि उनके दारिगवान प्लांट पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हमला किया गया है। यह घटना पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित दारिगवान साइट पर घटी। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तेजी से कार्रवाई करते हुए पूरी साइट और उसके आस-पास के इलाके को अपने घेरे में ले लिया है।

तलाशी अभियान जारी

इलाके को सुरक्षित करने के बाद, सुरक्षाबलों द्वारा वहां व्यापक स्तर पर 'क्लीयरेंस ऑपरेशन' चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि साइट के भीतर या आस-पास कोई भी हमलावर छिपा न हो और किसी भी प्रकार के विस्फोटक या खतरे को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। खबर लिखे जाने तक हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। साथ ही, अभी तक किसी भी विद्रोही या आतंकी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। क्या है नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड पाकिस्तान की प्रमुख तेल रिफाइनरी कंपनियों में से एक है। यह कच्चे तेल को प्रोसेस करके पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन उत्पाद बनाती है। दारिगवान साइट कंपनी की महत्वपूर्ण सुविधाओं में से एक है, जहां तेल संबंधी कामकाज होता है। बलूचिस्तान में खूब होते हैं हमले बलूचिस्तान पाकिस्तान में सुरक्षा चुनौतियों से भरा इलाका है। यहां बलूच अलगाववादी संगठन अक्सर सरकारी और विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं। हाल के वर्षों में खनन क्षेत्रों (कोयला खदानें) और सुरक्षा बलों पर भी हमले हुए हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों, गैस, तेल और खनिज से काफी समृद्ध है। लेकिन यहां लंबे समय से अलगाववादी और विद्रोही गुट सक्रिय रहे हैं। फिलहाल, कंपनी और प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रण में बताया गया है और सुरक्षा बल इलाके को पूरी तरह से खतरे से मुक्त करने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए हैं। पिछले 50 दिनों के भीतर भारत सहित दुनियाभर के छह देशों की प्रमुख तेल रिफाइनरियों में आग लगने और धमाकों की एक बेहद रहस्यमयी घटनाएं देखी गई हैं।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान पर कसा शिकंजा, अमेरिकी आर्मी बोली- अब तक 31 जहाज लौटे वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नाकाबंदी के तहत 31 जहाजों को वापस लौटने या बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इनमें से ज्यादातर जहाज तेल टैंकर थे।

सेंट्रल कमांड ने क्या कहा सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस कार्रवाई में उन्हें काफी सहयोग मिला है। पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। इस मिशन का पैमाना बहुत बड़ा है। ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के लिए 10,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, 17 युद्धपोत और 100 से ज्यादा विमान तैनात किए गए हैं।

सैन्य कार्रवाई से बढ़ा तनाव : इस बड़ी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। बुधवार तनाव तब और बढ़ गया जब ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन व्यापारिक जहाजों पर गोलियां चलाईं और उनमें से दो पर कब्जा कर लिया। यह घटना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के ठीक 24 घंटे बाद हुई, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी जारी रखने की बात कही थी। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान संकट को कम करने के लिए बातचीत की मेज पर आए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने युद्धविराम के लिए कोई औपचारिक समय सीमा तय नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक बड़ी शर्त रखी है। किसी भी स्थायी समझौते के लिए ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम का पूरा भंडार सौंपना होगा। यह शर्त गैर-परक्राम्य है, यानी इस पर कोई समझौता नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि जब तक तेहरान कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं देता और बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक यह समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। दूसरी तरफ, ईरान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस नाकाबंदी को युद्ध की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा युद्धविराम का सीधा उल्लंघन है।

कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट का बचाव किया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दुनिया भर में तेल की कीमतों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी होने से रोका जा सका। हालांकि, डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी कि इससे रूस को युद्ध के लिए पैसा मिल सकता है और ईंधन महंगा बना रह सकता है। सीनेट की एक समिति के सामने बोलते हुए बेसेंट ने कहा कि यह कदम उस समय उठाया गया जब बाजार में काफी अनिश्चितता थी, ताकि तेल की सप्लाई स्थिर रखी जा सके। उन्होंने बताया, 'हम 25 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बाजार में बनाए रखने में सफल रहे।'

बेसेंट ने कहा कि अगर यह छूट नहीं दी जाती, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आज तेल की कीमत करीब 100 डॉलर है। अगर हमने यह राहत नहीं दी होती, तो यह 150 डॉलर तक जा सकती थी।' उन्होंने कहा कि यह नीति आम लोगों को राहत देने के लिए बनाई गई है। कम कीमत लोगों के लिए बेहतर है।

वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया। क्रिस कून्स ने कहा कि इस छूट से रूस को अरबों डॉलर मिल सकते हैं और इससे उस पर दबाव कम हो जाएगा, जो इस समय बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोग आज भी महंगा पेट्रोल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डेलावेयर में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन के हिसाब से पेट्रोल खरीद रहे हैं।

कून्स ने सवाल उठाया कि क्या इस नीति से सच में लोगों को कोई राहत मिली है। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया कि रूस या ईरान को इससे कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। उन्होंने बताया कि इस छूट को बढ़ाने का फैसला दुनिया के कई गरीब और कमजोर देशों की मांग पर लिया गया था। उन्होंने कहा, '10 से ज्यादा गरीब देशों ने हमसे इस छूट को बढ़ाने की अपील की थी, इसलिए इसे सिर्फ 30 दिनों के लिए बढ़ाया गया।

इसी बीच, कुछ नेताओं ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर भी चिंता जताई। जैक रीड ने कहा कि अमेरिका में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन से ज्यादा कीमत पर पेट्रोल खरीद रहे हैं, जो आम परिवारों पर बोझ है।

बेसेंट ने कहा कि बाजार के हालात धीरे-धीरे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि तेल बाजार इस समय 'बैकवर्डेशन' की स्थिति में है, यानी आगे चलकर कीमतें कम हो सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई, 'मुझे लगता है कि यह संघर्ष खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें फिर पहले जैसी या उससे भी कम हो जाएंगी। यह पूरी बहस अमेरिका की राजनीति में मतभेद को दिखाती है। सरकार का कहना है कि थोड़ी लचीलापन रखने से बाजार स्थिर रहता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे रूस पर दबाव कम होता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध पश्चिमी देशों की नीति का अहम हिस्सा रहे हैं। कोशिश यह रही है कि रूस की कमाई कम हो, लेकिन दुनिया में तेल की सप्लाई पर बड़ा असर न पड़े।

दुनिया में तेल की कीमतें अब भी अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर मध्य पूर्व की स्थिति से प्रभावित होती हैं। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी से कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों पर भी पड़ता है।

होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद भ्रम की स्थिति, इस्राइली हमले में पत्रकार की मौत

वॉशिंगटन।, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। पाकिस्तान ने बातचीत के दूसरे दौर की मेजबानी करने का प्लान बनाया था, लेकिन ईरान के बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशों को मना करने पर व्हाइट हाउस ने वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस की इस्लामाबाद की प्लान की गई यात्रा को रोक दिया। ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम बढ़ने की बात तो मानी है, लेकिन वह नई बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीसरे जहाज पर हमला किया, जिससे युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर सवाल उठ रहे हैं। जिस जहाज पर हमला हुआ उसका नाम यूफोरिया है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह जहाज ईरानी तट पर फंस गया था, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले ईरान ने दो अन्य जहाजों पर हमला करके उन्हें अपने कब्जे में ले लिया था।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में लेबनानी पत्रकार अमल खलील की मौत हो गई। वह इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष की रिपोर्टिंग कर रही थीं और हमले के दौरान एक घर में शरण ली हुई थी। बचावकर्मियों के अनुसार, उनका शव मलबे से कई घंटे बाद निकाला गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला दक्षिणी गांव अल-तिरी में हुआ। खलील इससे पहले एक अन्य हवाई हमले के बाद अपने सहयोगी के साथ कार से उतरकर इस घर में छिप गई थीं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पहले हमले में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दूसरे हमले में उसी घर को निशाना बनाया गया जहां खलील और उनकी सहयोगी जैनब फराज मौजूद थीं। बचावकर्मी शुरुआत में फराज को गंभीर हालत में निकालने में सफल रहे। लेकिन इस्राइली गोलीबारी के कारण उन्हें खलील तक पहुंचने का प्रयास रोकना पड़ा। कई घंटों बाद लेबनानी सेना, पुलिस और रेड क्रॉस की मदद से उनका शव निकाला जा सका। इस्राइली सेना ने कहा कि गांव में कुछ लोगों ने युद्धविराम का उल्लंघन किया था, जिससे उनके सैनिकों को खतरा था। हालांकि, सेना ने पत्रकारों को निशाना बनाने और बचाव कार्य में बाधा डालने के आरोपों से इनकार किया है और मामले की जांच की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका को एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक कूटनीति के रास्ते अभी बंद नहीं हुए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके लिए अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकाबंदी तुरंत खत्म करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'साहसी बने रहें : मैकी सैल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की दिशा में 'हमें साहसी बने रहना होगा ', यह बात संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने कही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने बुधवार को यहां एक उम्मीदवार फोरम में कहा, सुरक्षा परिषद में सुधार पर चल रही बहस 30 वर्षों से अधिक समय से जारी है लेकिन 'जिस बात पर हम सभी सहमत हो सकते हैं, वह यह है कि आज सुरक्षा परिषद मौजूदा दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती।' उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के कई अलग-अलग प्रस्ताव हैं, और कुछ का यह भी मानना है कि 'यह अभी तनाव के समय में नहीं हो सकता, इसके लिए और समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं जो कर सकता हूं वह है इस एजेंडे को आगे बढ़ाना,' यह जवाब उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील (जी 4) के प्रतिनिधि के रूप में दिया, जो संयुक्त रूप से सुधार की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें समावेश सुनिश्चित करना होगा, साथ ही परिषद की विश्वसनीयता और सबसे महत्वपूर्ण उसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि पांच वीटो शक्तियों के साथ यह पहले से ही एक कठिन काम है। उन्होंने कहा, 'सभी विकल्प खुले हैं, और मैं जितना संभव हो सके उतना प्रयास करूंगा।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'बेशक, अंतिम निर्णय महासचिव का नहीं होता। यदि यह सुधार आगे बढ़ना है, तो यह सदस्य देशों का निर्णय होगा।' सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सैल इस वर्ष एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वे अफ्रीका से एकमात्र उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य तीन लैटिन अमेरिका से हैं। उन्हें बुरुंडी द्वारा नामित किया गया है, जिसके राष्ट्रपति एवरिस्टे नदायिशिमीये अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उनके अपने देश ने उनका समर्थन नहीं किया है। तीन घंटे के सत्र के दौरान जब उन्होंने राजनयिकों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के सवालों का सामना किया, तब उनके समर्थक और विरोधी संयुक्त राष्ट्र भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मैकी सैल 2022-23 में अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष रहे थे, जब संगठन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान जी 20 का सदस्य बना। उन्होंने जी 20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता के अपने प्रयासों को यह दिखाने के उदाहरण के रूप में पेश किया कि अगर वे संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बने तो कैसे नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ का जी 20 में शामिल होना 'उस समय एक स्वाभाविक बात नहीं थी लेकिन यह संवाद और बातचीत के माध्यम से संभव हुआ।

लेबनान में इजरायली हमले में एक और पीसकीपर की मौत, यूएन महासचिव गुटेरेस ने जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। लेबनान में इजरायली हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली हमले में मारे गए फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, लेबनान में यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स (यूएनआईएफआईएल) में काम कर रहे दूसरे फ्रांसीसी सैनिक की शनिवार को हुए हमले में घायल होने से मौत से दुखी हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (लोकल टाइम) को एक बयान में कहा कि पीसकीपर्स पर हमले बंद होने चाहिए। ये अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन हैं और वॉर क्राइम की श्रेणी में आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने यूएन प्रवक्ता के हवाले से बताया कि पीसकीपर्स पर हुए सभी हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर असरदार तरीके से मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस बारे में, महासचिव शनिवार की घटना के बारे में लेबनानी अधिकारियों के बताए गए प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने सभी लोगों से गुरुवार को घोषित इजरायल-लेबनान सीजफायर का सम्मान करने की अपील की। ??बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र दुश्मनी खत्म करने और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की दिशा में डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका मकसद हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच लड़े गए 2006 के लेबनान युद्ध को सुलझाना है। गुटेरेस ने दूसरे शांति सैनिक के परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ-साथ फ्रांस की सरकार और लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई है। बुधवार को पहले, स्टीफन दुजारिक ने मारे गए फ्रांसीसी

सैनिक की पहचान 31 साल के कॉर्पोरल अनिसेट गिरार्डिन के रूप में की, जो एक स्पेशलिस्ट डॉग हैंडलर थे।

गिरार्डिन इतनी बुरी तरह से घायल हुए थे कि बुधवार को पेरिस के एक हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। दुजारिक ने कहा कि जब दक्षिणी लेबनान में सड़क साफ करते समय यूएनआईएफिल की फ्रांसीसी टुकड़ी के साथ काम कर रही विस्फोटक ऑर्डनेंस डिस्पोजल टीम पर हमला हुआ, तो वह बुरी तरह घायल हो गए। यह कार्रवाई यूएनआईफिल के अलग-थलग पड़े ठिकानों तक दोबारा पहुंच बहाल करने के प्रयास के तहत की जा रही थी। गिरार्डिन शनिवार की घटना में मरने वाले दूसरे सैनिक थे। एक और फ्रांसीसी सैनिक, जो बुरी तरह घायल हो गया था, उसे भी इलाज के लिए मंगलवार को पेरिस वापस भेज दिया गया। वह अभी भी मेडिकल केयर में है। दुजारिक ने कहा कि एक चौथा पीसकीपर, जिसे मामूली चोटें आई थीं, दक्षिणी लेबनान में अपनी यूनिट के साथ अपनी पोस्ट पर लौट आया है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का शुरुआती अंदाजा था कि पीसकीपर पर नॉन-स्टेट हथियारबंद समूह हिज्बुल्लाह ने शायद हमला किया था।

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी : लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

परिचय

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।

कंदीय फसलों से भरपूर आमदनी

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत~कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है~ गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवर्धित खाद्य, आहार एवं औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसली के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के तौर पर उष्णकटिबंधीय तथा अर्द्ध उष्णकटिबंधीय देशों में लाखों लोगों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछ्ले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया गया हैझ इन्हें गुणवत्तायुक्त आलू बीज के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, आलू पौधों को एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है और मृदा अथवा किसी अन्य समुच्य मीडियम का उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति ऊतक संवर्धन पादप 35 - 60 लघुकंद उत्पन्न होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है। इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत~ ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकृअनुप - केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी सेट प्रौद्योगिकी को अपना कर उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में भी वायरसमुक्त गुणवत्ता रोपण सामग्री को विकसित किया जा सकता है।

अनाज फसलों की तुलना में कंदीय फसलों से अधिक लाभ

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहूं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत~यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मत्स्यिकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्राय~यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलू

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातर बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिक्तिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।

उन्नत फसलोत्तर प्रबंधन

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेतु कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फ्रेंच फ्रेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं।

एक नजर

महिला आरक्षण पर कांग्रेस विधायक तिवारी की सरकार को चुनौती

अल्मोड़ा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा के आरोपों पर अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा एक ही बात को बार–बार दोहराकर उसे सच साबित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो चुका था, लेकिन इसे परिसीमन से जोड़कर दोबारा लाना नियमों के विपरीत है। शुक्रवार को नगर के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक तिवारी ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के हित में हर कदम का समर्थन करती है, लेकिन यह प्रक्रिया नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उनके अनुसार यह विषय महिला आरक्षण से अधिक परिसीमन से जुड़ा है और इसके माध्यम से लोकसभा सीटों में बदलाव की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के प्रति गंभीर होती तो मौजूदा सीटों में ही आरक्षण लागू किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार को महिलाओं की इतनी चिंता होती तो राज्य में अंकिता भंडारी जैसा मामला नहीं होता और भाजपा दोषियों को बचाने के प्रयास नहीं करती। विधायक तिवारी ने राज्य में बढ़ते महिला अपराधों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि सरकार महिलाओं की हितैषी है तो महिलाओं के साथ अत्याचार, हत्या, दुष्कर्म और छेड़छाड़ की घटनाएं नहीं होती।

50 एकड़ गेहूं की नरई में लगी आग से नुकसान

रुद्रपुर। ग्राम उलानी में गुरुवार को दोपहर बाद गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बची नरई (पराली) में अचानक आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और कई एकड़ क्षेत्र में फैल गई। इस घटना में किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने से करीब 50 एकड़ क्षेत्र की नरई जलकर राख हो गई। ग्राम प्रधान पति हरदीप सिंह गोराया ने खटीमा फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मौके पर पीड़ित किसान जरमेल सिंह, मनजीत सिंह, भजन सिंह, रवींद्र वर्मा, जगदीप सिंह, ओम प्रकाश, श्याम सिंह, बचन सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

पीटीआई शिक्षक पर बड़ी कार्रवाई, अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी

उत्तरकाशी। मोरी क्षेत्र के फतेपर्वत में राजकीय इंटर कॉलेज दोणी के पीटीआई शिक्षक के लगातार शराब के नशे में विद्यालय आने की शिकायत पर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। वहां तैनात पीटीआई शिक्षक जय सिंह कठैत को उनके इस व्यवहार पर शिक्षा विभाग ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया। बीते बृहस्पतिवार को जिला शिक्षा अधिकारी शैलेश अमोली और खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया था। विद्यालय पहुंचे अधिकारियों के समक्ष ग्रामीणों और स्टाफ ने शिक्षक के अनुचित व्यवहार की शिकायत की। जांच में आरोप सही पाए गए जिसके बाद मौके पर ही सख्त कार्रवाई की गई। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक की इस आदत से न केवल पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बल्कि विद्यालय का वातावरण भी दूषित हो रहा था। बच्चों के भविष्य के साथ इस तरह की लापरवाही को देखते हुए विभाग ने पहले भी उन्हें सुधार का अवसर दिया था और स्थानांतरण भी किया गया था लेकिन उनके व्यवहार में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं आया।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

रुद्रपुर। घर से दोस्तों के साथ निकला एक युवक अगले दिन सुबह घर से महज 100 मीटर दूर एक सुनसान इलाके में बने मकान में मृत मिला। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार, निकटवर्ती गांव अमृतनगर संख्या एक निवासी 32 वर्षीय सुजय हीरा पुत्र सुभाष हीरा गुरुवार देर शाम घर से दोस्तों के साथ घूमने गया था, लेकिन रातभर घर नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह परिजनों को घर से करीब 100 मीटर दूर सुनसान इलाके में बने एक मकान से उसका शव मिला।

समय-समय पर जांच कराएं गर्भवती महिलाएं

108 सेवा का लाभ गर्भवती महिला द्वारा प्रसव हेतु चिन्हित चिकित्सालय के आधार पर मिलें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा विकासखंड रिखणीखाल के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झर्त में गृह आधारित प्रसवों की संख्या शून्य किये जाने को लेकर ग्राम प्रधान झर्त प्रियंका देवी की अध्यक्षता में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस मौके पर महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सोमाली ने गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच कराने की सलाह दी। साथ ही एनीमिया के बचाव के लिए संतुलित आहार लेने, आयरन, कैल्शियम का सेवन करने को कहा।

उन्होंने परिवार नियोजन सहित अन्य उपयोगी परामर्श दिये। इस दौरान सात गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच भी की गई। शुक्रवार को आयोजित शिविर में जिला सलाहकार एनसीडी

श्स्वेता गुसांई ने संस्थागत प्रसव कराने व मातृत्व सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम,108 सेवा, 102 सेवा आदि के बारे में जानकारी दी। शिविर में ग्राम प्रधान झर्त प्रियंका देवी ने आकस्मिक एंबुलेंस सेवा 108 को लेकर कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झर्त के अंतर्गत आने वाली गर्भवती महिलाओं को 108 सेवा का समुचित लाभ नहीं मिल पाता है, यहां से अधिकांश गर्भवती महिलाएं प्रसव हेतु बेस चिकित्सालय कोटद्वार जाती हैं, जिसके लिए उन्हें निजी वाहन से चिकित्सालय जाना पड़ता है। कहा कि 108 सेवा द्वारा गर्भवती महिलाओं को ब्लॉक के अंतर्गत सी.एच.सी रिखणीखाल ले जाया जाता है जहां पर किसी भी आपात स्थिति के लिए कोई सुविधा नहीं है, फिर पुनः रेफर होकर बेस चिकित्सालय कोटद्वार या अन्य चिकित्सालय जाना पड़ता है, जिससे जच्चा-बच्चा की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि झर्त से रिखणीखाल और कोटद्वार की दूरी में ज्यादा अंतर नहीं है। कहा कि गर्भवती महिलाओं को 108 सेवा का लाभ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले चिकित्सालय के आधार पर नहीं बल्कि गर्भवती महिला द्वारा प्रसव हेतु चिन्हित चिकित्सालय के आधार पर मिलना चाहिए। इस मौके पर डॉ. आलोक कोहली, जिला आई.ई.सी. समन्वयक शकुंतला नेगी, एएनएम प्रीतम, नवीन रावत, कोमल, पुष्पा देवी, आनंद मोहन काला आदि मौजूद रहे।

जनगणना ड्यूटी से पूर्व शिक्षकों को कार्यमुक्त करने की मांग, प्रदर्शन

रुद्रपुर। शिक्षकों ने जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विद्यालयों से कार्यमुक्त किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि दोपहर दो बजे तक विद्यालय में शिक्षण कार्य करने के बाद जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को प्रभावी ढंग से करना कठिन होगा। शुक्रवार को बड़ी संख्या में शिक्षक–शिक्षिकाएं नगरपालिका कार्यालय पहुंचे और अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए शिक्षकों को विद्यालयी कार्य से मुक्त किया जाए।

Notice

That I have changed my name from Shabana Pervez to Shabana Parveen. That I will be known by this name Shabana Parveen w/o MUSHTAKEEM AHMAD in future. That Shabana Pervez and Shabana Parveen is the name of one and same women is my name.

Shabana Parveen w/o Mushtakeem Ahmad R/o Momin Nagar Lakdi Padav, Kotdwara, Pauri Garhwal, Uttarakhand. (0506/21)

ग्राम प्रधानों ने मनरेगा भुगतान और हाजिरी व्यवस्था पर उठाएं सवाल

ऑनलाइन के स्थान पर ऑफलाइन हाजिरी की व्यवस्था लागू करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ग्राम प्रधान संगठन ने जिलाधिकारी स्वाति एस भदोरिया से मुलाकात कर पंचायतों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष पंकज पोखरियाल ने बताया कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस दौरान ग्राम प्रधानों ने विशेष रूप से मनरेगा योजना के अंतर्गत कराए गए कार्यों के भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। कहा कि समय पर भुगतान न होने से मजदूरों में नाराजगी बढ़ रही है और पंचायतों के कार्य भी ठप पड़ने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि लंबित भुगतान को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र जारी किया जाए, ताकि ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों को गति मिल सके। इसके अलावा वीबी-जी-आर-एएमजी योजना के तहत ऑनलाइन हाजिरी की अनिवार्यता को लेकर भी प्रधानों ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अधिकांश ग्राम पंचायतों में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति बेहद कमजोर है, जिसके चलते ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में घंटों का समय लग जाता है। इससे कार्य शुरू होने में अनावश्यक देरी हो रही है और मजदूरों का समय भी बर्बाद हो रहा है। प्रधानों ने मांग की कि नेटवर्क की समस्या को देखते हुए ऑनलाइन के स्थान पर ऑफलाइन हाजिरी की व्यवस्था लागू की जाए। जिलाधिकारी ने प्रधानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही, ताकि पंचायतों की समस्याओं का जल्द समाधान हो सके और विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। ज्ञापन देने वालों में कोट, खिर्सू, पौड़ी, कल्जीखाल आदि विकासखंडों के प्रधान संगठन मौजूद रहे।

किच्छा से कनाडा भेजा जा रहा अफीम से भरा पार्सल एयरपोर्ट पर पकड़ा

रुद्रपुर। किच्छा की एक कोरियर सर्विस से कनाडा भेजे जा रहे पार्सल में प्लास्टिक के चार स्टूल के पायों में छिपाई गई करीब 500 ग्राम अफीम दिल्ली एयरपोर्ट पर जांच के दौरान पकड़ी गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम सक्रिय हो गई।

टीम किच्छा पहुंची और कोरियर संचालक से पूछताछ की। साथ ही पार्सल बुक कराने वाली एक युवती से भी कई घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले किच्छा से एक पार्सल कनाडा के लिए बुक किया गया था, जिसे दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम जांच के दौरान पकड़ा गया।

जांच में सामने आया कि पार्सल में रखे चार छोटे प्लास्टिक स्टूल के पायों के अंदर अफीम छिपाई गई थी। कस्टम विभाग ने मामला उत्तराखंड एनसीबी को सौंप दिया।

महिला से मारपीट में दो पर मुकदमा

रुद्रपुर। दो बच्चों की लड़ाई में उनके परिजन आपस में भिड़ गए। इस दौरान महिला से मारपीट के मामले में पुलिस ने एक बच्चे के माता–पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बलीनगर निवासी आमना ने गुरुवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका नाती पड़ोसी के बच्चे के साथ खेल रहा था। तभी दोनों बच्चों में मारपीट हो गई। आरोप लगाया कि जब वह दोनों बच्चों में बीचबचाव करने गई तो पड़ोसी रशीद और उसकी पत्नी रिफा ने उससे बेल्ट और लात–घूंसों से मारपीट की।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र हरेन्द्र एवं पुत्रवधु तनुजा गलत संगत में पड़ गये है व उनकी बुरी आदतों एवं कहने सुनने में नहीं है, लिहाजा मैं अपने पुत्र एवं अपनी पुत्रवधु को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। मेरे पुत्र हरेन्द्र एवं पुत्रवधु तनुजा द्वारा किये गये किसी भी कृत्य हेतु वह स्वयं जवाबदेह रहेगें एवं किसी भी लेन-देन के लिए भी मेरा पुत्र हरेन्द्र एवं पुत्रवधु तनुजा स्वयं जिम्मेदार रहेगें तथा मेरा उनके किसी भी लेन-देन एवं कृत्यों से कोई लेना-देना नहीं है। आज दिनांक 23-04-2026 से मेरे पुत्र हरेन्द्र एवं पुत्रवधु तनुजा को मेरी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल समझा जाये।

कल्पेश्वरी देवी पत्नी गबर सिंह निवासी काशीरामपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, पिन-2461499।

(0505/21)

विवि परिसरों एवं संबद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों में प्रवेश लेने हेतु प्रवेश परीक्षा अनिवार्य

गढ़वाल विवि ने जारी की प्रवेश परीक्षा (यूईटी) की अधिसूचना

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (यूईटी) की अधिसूचना जारी कर दी है। इस परीक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय अपने तीनों परिसरों एवं 50 से अधिक संबद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों में संचालित बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड., बी. लिब., एम. लिब., एल.एल.बी. सहित समस्त स्नातकोत्तर डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश देगा।

विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित लगभग 14 स्कूलों में कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, इंजीनियरिंग, जीवन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, शिक्षा, विधि एवं सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों के अनेक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन सभी स्कूलों के विभिन्न कोर्स में प्रवेश यूईटी के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के प्रावधानों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने परिसरों में आगामी सत्र से एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया है। इन एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होंगे, जिन्होंने चार वर्षीय स्नातक (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) कार्यक्रम पूर्ण किया हो। यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा को अधिक लचीला एवं शोध-उन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाई. पी. रैवानी द्वारा निर्गत अधिसूचना के अनुसार एम.ए., एम.एससी., एम.कॉम., एम.सी.ए., एम.टेक., एम.फार्मा, एमएसडब्ल्यू, एलएलबी, एलएलएम, बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड., बी.लिब., एम.लिब. एवं पीजी डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 27 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित आवेदन शुल्क के साथ आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई 2026 है। प्रवेश परीक्षा पूरी तरह बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित होगी। अधिकांश पाठ्यक्रमों के लिए 100 प्रश्न होंगे, जबकि बी.एड. कार्यक्रम के लिए 200 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा तथा परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा। परीक्षा की अवधि सामान्यतः 2 घंटे तथा बी.एड. के लिए 3 घंटे निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी, जिसे समर्थ पोर्टल के माध्यम से सम्पन्न किया जाएगा। अभ्यर्थी निर्धारित पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना प्रवेश की गांरटी नहीं

सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 1000 तथा आरक्षित वर्ग के लिए 500 निर्धारित किया गया है। एक अभ्यर्थी अधिकतम तीन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकता है। प्रवेश परीक्षा के केंद्र श्रीनगर (गढ़वाल), टिहरी, पौड़ी, देहरादून, ऋषिकेश और रुड़की में बनाए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश की गारंटी नहीं है। अंतिम चयन मेरिट, सीटों की उपलब्धता एवं अन्य पात्रता शर्तों के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पूर्व विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें।

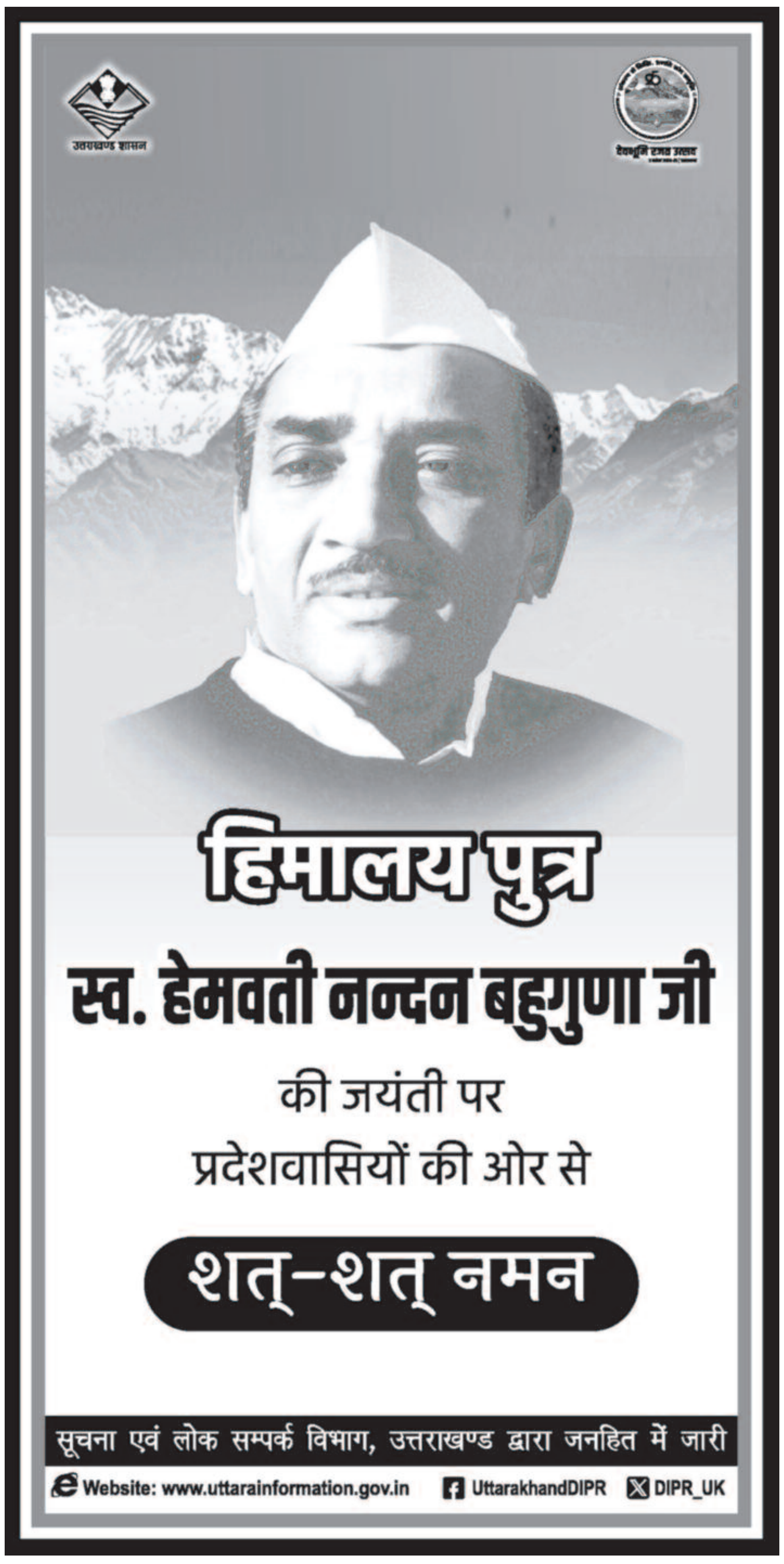

श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. आर्य

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चार धाम यात्रा के सफल एवं सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महानिदेशक स्वास्थ्य, उत्तराखंड डॉ. सुमन आर्य द्वारा जनपद चमोली के बद्रीनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में जनपद चमोली के अंतर्गत सभी चिकित्सा इकाइयों में स्थापित चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्रा मार्ग एवं धाम क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य इकाइयों, प्राथमिक उपचार केंद्रों, स्वास्थ्य जांच केन्द्रों, आपातकालीन सेवाओं तथा तैनात चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से संवाद करते हुए कहा कि चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी चिकित्सीय दल सतर्क एवं तत्पर रहें।

महानिदेशक ने चिकित्सालयों में उपलब्ध दवाओं, ऑक्सीजन सिलेंडर, जीवन रक्षक उपकरणों एवं एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए आपातकालीन तैयारियों को मजबूत रखने पर जोर दिया। महानिदेशक ने यात्रियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभागीय टीम के प्रयासों की सराहना की तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग धनिक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्णा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम का एक्शन मोड जारी, हेली सेवाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग द्वारा श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा स्वयं ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग एवं धाम क्षेत्र में सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखी जाएं तथा श्रद्धालुओं के साथ सौम्य एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान प्राप्त हो रहे फीडबैक के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा अनुभव मिल सके। जिलाधिकारी ने हेली सेवा के माध्यम से धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए केदारनाथ स्थित हेलीपैड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हेली सेवाओं के संचालन, यात्रियों की आवाजाही, सुरक्षा प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। हेलीपैड पर जिलाधिकारी के अचानक पहुंचने पर वहां मौजूद श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद स्टेशन पर स्टाफ पार्किंग एवं बरेली और शाहजहांपुर स्टेशन पर पे एंड यूज के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 13.05.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1379/26

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज , हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज वहीं सनराइजर्स के पास हर्ष दुबे, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज हैं।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान और क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक और हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे।

प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

जयपुर के इस मैदान पर अधिकतर मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें जीतती रही हैं ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। अब तक दोनो बीच 22

मुकाबले हुए हैं जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 9 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स = यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे।

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान), हेनरिक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, क्लासेन, साहिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवांग कुमार, हर्ष दुबे, साकिब हुसैन प्रफुल्ल हिंगे। इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा।

53 के हुए सचिन को मिली बधाईयां

-हजारों करोड़ की संपत्ति के हैं मालिक

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज 53 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत से भी बधाईयां मिल रही हैं। सचिन का क्रिकेट करियर इतना सुनहरा रहा है कि उनको क्रिकेट का भगवान तक कहा जाता है जिस प्रकार की लोकप्रियता उन्हें हासिल हुई है वैसी किसी अन्य क्रिकेटर को नहीं मिली है। अपने दो दशक से अधिक के क्रिकेट करियर में सचिन ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति भी अर्जित की है।

उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से करीब 40 साल की उम्र तक भारतीय क्रिकेट को सेवाएं दी। इतना लंबा करियर भारत ही नहीं विश्व में किसी क्रिकेटर का नहीं रहा। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जिसे तोड़ना असंभव नजर आता है। 200 टेस्ट मैचों में 15921 रन और 463 वनडे मैचों में 18426 रन उनके नाम दर्ज हैं। वनडे में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव भी सचिन के ही नाम है।

सचिन का मुंबई के बांद्रा (वेस्ट) में पेरी क्रॉस रोड पर एक बेहद आलीशान बंगला है। लगभग 6000 स्क्वायर फीट में फैला यह तीन मंजिला घर करीब 80 से 100 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा, उनका केरल में एक वॉटरफ्रंट बंगला और लंदन में भी संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों रुपये की लक्जरी कारें भी हैं।

इसमें बीएमडब्लयू , फरारी ओर पोर्श जैसी गाड़ियां रही हैं।

उनकी ब्रांड वैल्यू रिटायरमेंट के इतने सालों बाद भी कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 1350 करोड़ से 1500 करोड़ रुपए के बीच है। रिटायरमेंट के बाद उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट, विभिन्न व्यवसायों में निवेश और अन्य बिजनेस वेंचर हैं। सचिन आज भी अपोलो टायर्स, आईटीसी और ल्यूमिनस जैसे बड़े ब्रांड्स का चेहरा हैं। इसके अलाव वह उनका इंडियन सुपर लीग की टीम में और कई स्टार्टअप्स में भी निवेश है।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी।वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज़्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है और उनका नेट रन रेट -0.821 है, जो उनकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल बना सकता है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिक में नंबर एक चल रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान हो जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेक तालिक में नंबर एक स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली केवल तीन मैच जीतने के साथ ही छठे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भी पंजाब जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिल्ली से काफी अच्छी रही है। करना होगा।

वहीं पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के कारण दिल्लीका मनोबल भी गिरा हुआ है। अगर उसे जीत के साथ वापसी करनी है तो उसके सभी लिए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

इस सत्र में दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोर उसकी बल्लेबाजी रही है। उसकी ओर से केवल केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ही अब तक रन बना पाये हैं। पूरी टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने में विफल रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उनकी रणनीति भी असफल रही है ।

उनके कुछ फैसले भी गलत साबित हुए हैं जो टीम की हार का कारण बन हैं। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी भी खराब रहा है। जिससे भी उसे नुकसान हुआ है।

उसके लिए राहत की बात गेंदबाजी ठीक रहना है हालांकि पिछले कुछ समय से जिस प्रकार से पंजाब के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए उसके बल्लेबाजों को और अधिक बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सात विकेट पर 254 रनों का इस सत्र का सबसे अधिक स्कोर बनाया था। ऐसे में उसे रोकना आसान नहीं लगता। श्रेयस सहित उसके उसके बल्लेबाजों ने इस सत्र में काफी रन बनाये है। इस मैच में हालांकि टीम को कूपर कोनोली की कमी खेलेगी। कूपर फिट नहीं होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। टीम के पास अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं।

वहीं आंकड़ों पर जायें तो दोनो के बीच 35 मुकाबले हुए है जिसमें से दोनो ने ही 17-17 मुकाबले जीते हैं वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

मैड्रिड ओपन : वालेजो ने दिमित्रोव को चौंकाया, सितसिपास बाल-बाल बचे

मैड्रिड ।पैराग्वे के क्वालिफायर अडोल्फो डेनियल वालेजो ने गुरुवार को मैड्रिड ओपन में अपने एटीपी मास्टर्स 1000 डेब्यू पर जीत हासिल की। उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। 21 साल के वालेजो मास्टर्स 1000 में मैच जीतने वाले पैराग्वे के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से, वह रामोन डेलगाडो के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। वालेजो का अगला मुकाबला लर्नर टिएन से होगा। वालेजो ने जीत के बाद कहा, 'यह अविश्वसनीय है। यह किसी फिल्म जैसा लग रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। मैं (दिमित्रोव) को और उनके सभी हाइलाइट्स को देखा करता था। आज उन्होंने मेरे खिलाफ जितने भी पॉइंट्स बनाए, उन्हें मैं टीवी पर देखा करता था। अब उनके खिलाफ खेलना,'वाह' । मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, लेकिन मैं बस इसका मज़ा लेने की कोशिश कर रहा हूं।'

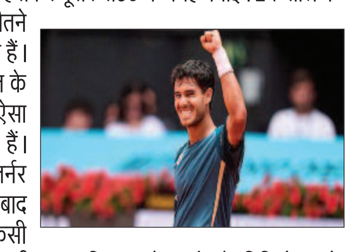

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है।मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है।इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है।

सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये।इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है।पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा।इससे टीम लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव में आ गयी।उन्होंने माना है कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही।पांड्या ने आगे कहा, हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। लक्ष्य का पीछा करने के लिए लय की आवश्यकता होती है पर हम उसे हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा, अब हमें कुछ दिनों का समय मिलेगा सोचने के लिए कि हम क्या बदलाव कर सकते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

कोच जयवर्धने बोले, मुम्बई इंडियंस के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर

-बचे हुए मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा भी आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब विजेता टीम में शामिल थे। मुंबई इंडियंस को गुरुवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने यादव सात मैचों में 156 रन ही बनाये हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट और तिलक वर्मा ने 181 रन रन बनाये हैं। जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी स्वयं भी थकान को कारण मानेंगे। साथ ही कहा कि हमें जीत केलिए लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

पीएसएल में शुभंकर के बीच टकराव का तमाशा कराकर मजाक का पात्र बना पाकिस्तान

लाहौर ।पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के मुकाबले खेले जा रहे हैं।इसी दौरान कुछ अलग करने के प्रयास में अपनी एक अजीब हरकत के कारण ये लीग मजाक का पात्र बनकर रही गयी है।यहां लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए 35वें मैच से पहले दोनों टीमों के शुभंकर पस में टकरा गये गए।जिसको लेकर पाकिस्तान की हंसी उड़ रही है।गद्दाफी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में टॉस के लिए जब दोनों टीमों के कप्तान शाहीन अफरीदी और डेविड वॉर्नर प्रजेंटर रमीज राजा के साथ मैदान पर आए, तो उनके साथ उनकी टीमों के शुभंकर भी थे।टॉस से ठीक पहले, कैमरे के सामने ही दोनों शुभंकर एक-दूसरे से टकरा गये और उनके बीच भिड़ंत का नाटक हुआ।ये सब मनोरंजन के लिए मजाकिया अंदाज में किया गया था पर इसे देखकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर और शाहीन अफरीदी हैरान हो गये।इसके बाद ये मालला तत्काल ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसमें कई लोगों ने इसे पीएसएल की छवि के लिए खराब बताया।यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पीएसएल पहले ही कई मुश्किलों का सामना कर रही है।लीग की बदहाली का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अधिकांश मैच खाली स्टेडियमों में खेले जा रहे हैं।इसके पीछे मुख्य वजह देश में गहराता आर्थिक संकट और ईंधन की कमी है।इसी कारण आयोजक प्रशंसकें का मनोरंजन करने के लिए अनोखे तरीके अपना रहे हैं।

बेथेल को लेकर कुक के बयान से सहमत नहीं पीटरसन

लंदन ।इंग्लैंड क्रिकेट के दो दिग्गज, पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक और केविन पीटरसन युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल के आईपीएल खेलने को लेकर आमने-सामने आ गये हैं। जहां कुक का मानना है कि बेथेल को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिये। वहीं पीटरसन इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि बेथल को काउंटी से ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर इस लीग में खेलने से अनुभव मिलेगा। ऐसे में उसे आईपीएल में ही बने रहना चाहिये।वहीं इससे पहले कुक ने कहा था कि आरसीबी टीम में शामिली बेथेल को आईपीएल में अबतक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही। ऐसे में उनका बैंच पर बैठे रहना अच्छा नहीं है। इससे बेहतर तो ये रहेगा कि वह इंग्लैंड लौटकर काउंटी में खेलें। कुक ने कहा, बेटेल आईपीएल में बैठा हुआ है और कुछ कर नहीं रहा, ऐसे में उसे काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बेथेल इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना होगा और वारविकशायर के लिए रन बनाकर अपनी क्षमता साबित करनी होगी। कुक के अनुसार, किसी भी क्रिकेटर के लिए मैच अभ्यास जरुरी है और इसे बिना खेले हासिल नहीं किया जा सकता है। बेथेल को इस सत्र में अब तक आरसीबी की अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला है। टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में फिल साल्ट, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही उतर रही है। ऐसे में बेथेल लगातार बेंच पर बैठे हैं और उन्हें मैदान पर बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है।यही वजह है कि उनके बाहर बैठने पर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि कुक की बात गलत है। पीटरसन के अनुसार कुक को आईपीएल का कोई अनुभ नहीं है और उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि यहां क्या होता है। साथ ही कहा कि आईपीएल में विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, उनसे सीखना और बड़े टूर्नामेंट के माहौल का अनुभव मिलत है जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुक की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि बेथेल आईपीएल में ही बने रहें। पीटरसन ने अपने बयान में जैकब बेथेल को सीधा संदेश दिया, 卐जैकब, भारत में ही रहो। भले ही तुम खेल नहीं रहे हो पर तुम सीख रहे हो और इससे तुम बेहतर खिलाड़ी बनोगे।卐 साथ ही कहा कि इस अनुभव का लाभ उन्हें भविष्य में मिलेगा।

संजू सैमसन ने खोला राज, इस चीज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक बनाने के लिए प्रेरित किया

मुंबई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बताया कि कट्टर प्रतिद्वंद्वी मुंबई इंडियंस के खिलाफ रन बनाने की ऊंची उम्मीदों और दबाव ने उन्हें अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने और वानखेड़े स्टेडियम में मैच जिताने वाला शतक बनाने के लिए प्रेरित किया। सैमसन की 54 गेंदों पर शानदार 101 रनों की पारी, जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे, ने CSK को 207/6 के कुल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में MI नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19 ओवरों में सिर्फ 104 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

IPL द्वारा X पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, 'IPL में यह एक बहुत बड़ा मौका होता है; हर कोई CSK और मेरे खेल पर नजर रखता है, और मैं पहली बार इसका हिस्सा बना हूं। इसलिए मैं माहौल को बनते हुए देख सकता था, मैं उस तीव्रता को महसूस कर सकता था और ठीक उसी समय मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी सामने आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे चुनौतियां पसंद हैं, मुझे तब अच्छा लगता है जब हालात मुश्किल होते हैं। इसलिए मैंने आज के खेल का सचमुच आनंद लिया। मुझे लगता है कि विकेट वानखेड़े के सामान्य विकेट जैसा नहीं था; गेंद स्विंग हो रही थी और बुमराह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। सच कहूं तो यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी मुकाबला था। इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैंने टीम की जीत में योगदान दिया और आज हमें जीत मिली।'

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद CSK ने हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। सैमसन ने 101 रनों की शानदार नाबाद पारी खेलकर टीम की अगुवाई की जबकि डेवाल्ड ब्रेविस (21) और कार्तिक शर्मा (18) जैसे खिलाड़ियों ने भी उपयोगी रन बनाकर योगदान दिया। जवाब में MI की शुरुआत ही खराब रही और अंततः वे 19 ओवरों में 104 रनों पर ऑल आउट हो गए। गेंदबाजी में अकील हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद ने उन्हें अहम सहयोग दिया।

सैमसन के अनुसार हर खिलाड़ी के छोटे-छोटे योगदान ने भी इस मैच के परिणाम में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम में जितने युवा खिलाड़ी हैं, मैं निश्चित रूप से उन सभी खिलाड़ियों को श्रेय देना चाहूंगा जिन्होंने योगदान दिया है। बात सिर्फ 100 रन या 4 विकेट की नहीं है, मुझे लगता है कि बल्लेबाजों और गेंदबाजों के छोटे-छोटे योगदान भी इस बड़े मैच में बहुत मायने रखते हैं। इसलिए इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हम इस लय को बनाए रखना चाहेंगे और अगले मैच में भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।'

इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने उस भावना के बारे में भी बताया जब वह शतक के करीब पहुंचे थे और आखिरी ओवर से पहले अकील हुसैन के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया। उस ओवर में सैमसन ने सभी गेंदों का सामना किया और कृष्ण भगत के खिलाफ 16 रन बनाकर इस सीजन का अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने शतक के करीब पहुंचते हैं, तो आप निश्चित रूप से शतक बनाना चाहते हैं। लेकिन मैंने हमेशा टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि मेरी शुरुआत बहुत अच्छी रही। आम तौर पर विकेट पर जमने के बाद मैं थोड़ा और आक्रामक खेलना पसंद करता हूं, लेकिन विकेट लगातार गिर रहे थे। इसलिए मैं साझेदारी बनाना चाहता था और आखिर तक क्रीज पर टिके रहना चाहता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'तो किस्मत से मुझे एक बड़ा ओवर मिला और मैं शतक के करीब पहुंच गया। उस ओवर से पहले मेरी और अकील की बातचीत हुई थी कि मैं उस ओवर की सभी छह गेंदों का सामना करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम वहां से ज्यादा से ज्यादा रन बटोरना चाह रहे थे और अकील को भी ऐसा ही लगा। इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि शतक बनाना हमेशा ही बहुत खास एहसास होता है और जब यह MI के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में बने, तो यह और भी ज्यादा खास एहसास होता है।'

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ ।आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है।उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं।कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की।उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे।कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की।इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी।पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं।कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी।उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।